डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 204 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शनिवार 10 मई 2025 | मूल्य 2 रुपया

सराफा में बड़ी संख्या में बंगाली कारीगर...!

❊ बाहरी किरायेदारों-कर्मचारियों से अनजान जिला ❊ सिर्फ कोतवाली ने चलाया अभियान, सात दिन का अल्टीमेटम

मंदसौर, 09 मई गुरु एक्सप्रेस। जिले भर में रेस्टोरेंट, ढाबों और दुकानों के अलावा मकानों में बाहरी लोग कार्यरत है। अकेले मंदसौर शहर में करीब पांच हजार कर्मचारी और किरायेदार है। लेकिन, पुलिस और प्रशासनिक रिकॉर्ड इससे अनजान है। सिर्फ चुनावों के समय आदेश निकालकर औपचारिकता निभाई जाती है। सराफा बाजार की बात करें तो बंगाल से आए कारीगर यहां बड़ी संख्या में काम कर रहे हैं। इसका कारण है कि बंगाल में कई परिवार पीढ़ियों से सराफा बाजार के काम में लगे हुए है। रतलाम में पुलिस ने हाल ही में बंगाली कारीगरों के बारे में जानकारी भी निकाली थी। हालांकि अभी तक मंदसौर में इसके प्रयास नहीं हुए। भारत पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव के बीच आखिरकार शहर कोतवाली पुलिस ने सख्ती दिखाई है। जिसमें पचास से अधिक रेस्टोरेंट और ढाबे और चालीस सराफा दुकानों को चिन्हित कर उन्हें कर्मचारियों के बारे में जानकारी देने के लिए कहा है। इसके अलावा कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले मकान मालिकों को सात दिन में किरायेदारों की जानकारी देने के लिए निर्देशित किया है। हालांकि, शहर कोतवाली थाना क्षेत्र ही नहीं, बल्कि शहर के अन्य थानों के साथ जिलेभर में बाहर से आकर काम करने वाले लोग मौजूद है।

पांच हजार किरायेदार, जानकारी हजार की भी नहीं...

चूंकि मंदसौर की सीमा राजस्थान से लगी हुई है। ऐसे में चुनाव के दौरान बार्डर मीटिंग के जरिए दोनों राज्य के अधिकारी पुलिस और प्रशासनिक व्यवस्थाओं को लेकर बैठकें लेते रहते हैं। बैठकों में किरायेदारों और होटलों में काम करने वाले बाहर से आए नौकरों की जानकारी भी एकत्रित करने के निर्देश दिए जाते है। जबकि, इस समय भारत-पाक युद्ध की स्थिति निर्मित हो रही है। पड़ोसी जिले से बंगाली सहित पाकिस्तानी तथा अवैध गतिविधियो में लिप्त लोगो की जानकारी निकालकर कार्यवाही शुरु हो गई है। जबकि, मंदसौर में अभी तक इसे गंभीरता से नहीं लिया गया। बताया गया है कि शहर के तीनों थानों में लगभग एक हजार किरायेदार या घरेलू नौकरों की जानकारी दी गई है। जबकि, शहर में लगभग 05 हजार से अधिक किरायेदार और घरेलू नौकर रहते हैं।

पुराने इलाकों के साथ अब नए क्षेत्रों में भी किरायेदार...

शहर में किला रोड, बालागंज, जीवागंज, जनकूपुरा, खानपुरा, जगतपुरा सहित अन्य क्षेत्रों में ऐसे कई मकान है। जहां एक-एक दर्जन से अधिक किरायेदार रह रहे हैं। इसके अलावा रामटेकरी, अभिनंदन नगर, किटियानी, संजीत नाका के साथ ही कॉलोनी क्षेत्रों में भी कई लोग किराये से रह रहे है। अधिकांश मकान मालिकों ने अपने किरायेदारों की जानकारी संबंधित थानों में नहीं दी है। अनजान व्यक्ति को बिना कोई पड़ताल किए किरायेदार व घरेलू नौकर रख रहे हैं। इनमें कुछ आपराधिक पृष्ठभूमि के भी होते हैं जो दूसरे क्षेत्रों में अपराध करने के बाद यहां पर आसानी से रहते हैं। ऐसे में कई बार पुलिस को भी गंभीर मामलो की जांच में परेशानी आती है।

मकान मालिकों की लापरवाही से खतरे में शहर...

अधिकांश मकान मालिक लापरवाही के चलते बिना जांच-पड़ताल के ही किसी भी व्यक्ति को किरायेदार या नौकर रख लेते हैं। जबकि, आपराधिक मंसूबों को लेकर ये कुछ समय के लिए शहर में किरायेदार के रूप में रहकर वारदात कर फरार हो जाते हैं। मकान मालिकों ने बताया कि कई लोग अपने व्यवसाय के कारण कुछ माह के लिए मकान किराए पर लेते हैं, वे समय-सीमा में चले जाते हैं। सहज विश्वास के कारण पुलिस को सूचना नहीं देते हैं।

थाने पर उपलब्ध फॉर्म लेकर भरना होता है केवल...

किरायेदार एवं नौकरों की जानकारी थाने पर देने की प्रक्रिया काफी सरल है। थाने से मिलने वाले फॉर्म पर किरायेदार, नौकर का नाम, मूल पता, कब से कब तक मकान में रहेगा आदि जानकारी के अलावा फोटो, पहचान पत्र, मोबाइल नंबर देना होता है। पुलिस नाम व फोटो के आधार पर उसका रिकॉर्ड पता कर लेती है। कोतवाली थाना प्रभारी पुष्पेंद्रसिंह राठौड़ ने बताया कि कोतवाली पुलिस द्वारा सात दिन में किरायेदारों और कर्मचारियों की जानकारी देने के लिए निर्देशित किया गया है। सोशल मीडिया पर इस संबंध में फार्म भी उपलब्ध कराया गया है। जिसमें किरायेदार या कर्मचारी की जानकारी भरकर थाने पर दी जाना है।

बेटे की प्रताड़ना से परेशान बुजुर्ग ने लगाई फांसी

पुलिस ने शिकायत के बाद भी नहीं की समय पर कार्रवाई, परिजनों ने किया चक्काजाम

मंदसौर, 09 मई गुरु एक्सप्रेस। जिले के ग्राम लदूना में एक बुजुर्ग ने फांसी लगा ली। इसमें बेटे पर प्रताड़ना का आरोप लगाया है। वहीं मौत का जिम्मेदार पुलिस को बताया है। सुसाइड नोट में मृतक ने लिखा कि प्रताडना के संबंध में पुलिस को कई बार शिकायत की। 07 मई की रात को भी शिकायत की गई। लेकिन, पुलिस ने मदद नहीं की। इधर आक्रोशित परिजनों ने लदूना रोड पर चक्काजाम किया। इसके बाद एसडीओपी ने पहुंचकर समझाईश दी। उन्होंने जांच कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

मिली जानकारी के अनुसार रमेश पिता बसंतीलाल द्वारा घर में फांसी लगा ली गई। परिजनों को इसकी जानकारी मिली तो पुलिस को सूचित किया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल पहुंचाया। इधर मृतक ने सुसाइड नोट में मौत का कारण बेटे की प्रताड़ना बताया है। उसने लिखा कि बेटे द्वारा परिवार को प्रताड़ित किया जा रहा था। इस संबंध में पुलिस को कई बार शिकायत की। 07 मई को भी शिकायत कराई गई। लेकिन पुलिस लदूना नहीं आई। पुलिस पर बेटे से मिलीभगत का आरोप भी लगाया गया। सुसाइड नोट में यह भी लिखा गया कि 09 मई के मेरे साथ कुछ होता है तो इसकी जिम्मेदारी थाना प्रभारी की होगी। इधर मामले में परिजनों में खासा आक्रोश दिखाई दिया। लदूना रोड पर चक्काजाम किया गया। इसके बाद एसडीओपी मौके पर पहुंचे। लोगों से बात की और जांच के बाद कार्रवाई का आश्वासन दिया, तब जाकर लोग शांत हुए और चक्काजाम हटाया।

पार्सल गाड़ी खाई में गिरी, जनहानि नहीं

मंदसौर, 09 मई गुरु एक्सप्रेस। साबाखेड़ा तिराहे पर शुक्रवार की दोपहर मिनी पार्सल ट्रक टर्न लेते समय अनियंत्रित होकर पुलिया से नीचे खाई में उतर गया। हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। घटना महू नीमच हाईवे रोड पर वायडी नगर थाना क्षेत्र की है। जानकारी मिलने के बाद वायडी नगर पुलिस मौके पर पहुंची और वाहन को खाई से बाहर निकाला। उप निरीक्षक विनय बुंदेला ने बताया कि बाबू ट्रेवल्स कंपनी का यह पार्सल ट्रक है, जो नीमच से रवाना हुआ था। सबाखेडा तिराहे पर टर्न लेते समय यह दुर्घटना हुई है, इसमें वाहन चालक पूरी तरह सुरक्षित है।

गांधी सागर से पानी छोड़ने की मंजूरी के बाद 5 छोटे गेट खोले

पहली बार ऑफ सीजन में छोड़ा जा रहा बड़ी मात्रा में पानी

मंदसौर, 09 मई गुरु एक्सप्रेस। जल संसाधन विभाग ने गांधी सागर बांध से 891.944 एमसीएम पानी छोड़ने की अनुमति दी है, यह अनुमति ग्रीनको ग्रुप की 1920 मेगावॉट पंप स्टोरेज परियोजना के लिए दी गई है। जयपुर के मुख्य अभियंता की अनुशंसा पर यह निर्णय लिया गया है। जानकारी के मुताबिक प्रमुख अभियंता विनोद कुमार देवड़ा ने उज्जैन के मुख्य अभियंता को निर्देश दिए हैं, बांध में पेयजल, सिंचाई और औद्योगिक उपयोग के लिए पर्याप्त जल संग्रहित रखना होगा और पानी छोड़ते समय बांध सुरक्षा के मापदंडों का पालन करना अनिवार्य होगा। अनुमति मिलने के बाद शुक्रवार शाम गांधी सागर डेम के 5 स्लूज (छोटे गेट) खोल दिए गए।

मध्य प्रदेश और राजस्थान की अंतरराज्यीय नियंत्रण समिति से समन्वय कर कार्रवाई की। गांधीसागर बांध के निचले क्षेत्र की सुरक्षा के लिए अलार्म सिस्टम का उपयोग किया गया, राणा प्रताप सागर बांध में पानी के सुरक्षित संग्रहण के लिए राजस्थान के मुख्य अभियंताओं से समन्वय किया। गांधीसागर बांध से पानी छोडने की प्रक्रिया के दौरान एक टीम लगातार निगरानी करेगी, इस कार्रवाई की जानकारी मंदसौर जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, अनुविभागीय अधिकारी और तहसीलदार को दी गई।

खिमला में काम बारिश से प्रभावित न हो– पहली बार ऑफ-सीजन में मप्र जल संसाधन विभाग गांधी सागर डेम से बड़ी मात्रा में पानी छोड़ने जा रहा है। ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि नीमच के खिमला गांव में ग्रीनको कंपनी के पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट (पीएसपी) का निर्माण कार्य बारिश से पहले पूरा किया जा सके। रिन्यूएबल एनर्जी स्टोरेज से जुड़े इस प्रोजेक्ट के लिए डेम के डूब क्षेत्र में काम किया जाना है। वर्तमान में गांधी सागर डेम में डैड स्टोरेज के ऊपर 3800 एमसीएम उपयोगी पानी मौजूद है।

सशर्त मंजूरी जारी– राजस्थान सरकार से एनओसी और मप्र शासन की सिफारिश पर जल संसाधन विभाग ने गांधी सागर डेम से पानी छोडने की सशर्त मंजूरी जारी कर दी है। गांधी सागर से 892 एमसीएम पानी को राजस्थान के राणा प्रताप सागर में ट्रांसफर किया जाएगा। मप्र जल संसाधन विभाग के ईएनसी विनोद कुमार देवड़ा ने बताया कि मप्र में रबी सीजन खत्म हो चुका है, इसलिए सिंचाई के लिए पानी की जरूरत भी लगभग खत्म हो गई है। 30 जून तक पेयजल और औद्योगिक उपयोग के लिए पानी की जरूरत सिर्फ 312 एमसीएम है। ऐसे में 892 एमसीएम पानी ट्रांसफर करने के बावजूद गांधी सागर में 2600 एमसीएम पानी बना रहेगा।

बन रहा है 1920 मेगावाट पंप स्टोरेज– रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर की कंपनी ग्रीनको नीमच जिले के खिमला गांव में 1920 मेगावाट पंप स्टोरेज (पीएसपी) प्रोजेक्ट बना रही है। इस प्रोजेक्ट के जरिए दिन में बनने वाली सोलर एनर्जी का रात में पंप स्टोरेज के जरिए पानी को ऊपरी डैम में स्टोर किया जाएगा। बाद में जरूरत के वक्त ऊपरी डेम के पानी से टर्बाइन चलाकर दोबारा बिजली पैदा की जा सकेगी। 11,470 करोड के इस प्रोजेक्ट की आधारशिला अक्टूबर 2023 में रखी गई थी। इसे 2025 के अंत तक पूरा होना है।

तीन-तीन हजार रुपए लेकर जुए की फड़ में बैठे थे जुआरी..?

जुआघर से 39 गिरफ्तार, सवा लाख रुपए नगदी जप्त..! शाम तक चर्चा 60 की, कायमी होते-होते 40 से भी कम हो गए

मंदसौर, 09 मई गुरु एक्सप्रेस। एमपी-राजस्थान की बार्डर पर स्थित भैसोदामंडी के जुआघर पर दूर-दूर से पत्तेबाज और घोड़ीबाज केवल 03-03 हजार रूपए लेकर आए थे! मौके पर पहुंच पुलिस ने दबिश दी। दोपहर में दी गई दबिश के बाद शाम तक जुआरियों की संख्या 60 तक चर्चाओं में थी। स्थिति यह थी कि आरोपियों को थाने ले जाने के लिए बस की व्यवस्था तक करना पड़ी। हालांकि रात 11 बजे के बाद हुई कायमी में आरोपियों की संख्या केवल 39 तक सिमट कर रह गई। मजे की बात यह है कि दूर-दूर से जुआरी सिर्फ औसत 03-03 हजार रुपए लेकर जुआ खेलने पहुंचे थे। खैर, पुलिस ने मामले में 39 जुआरियों से करीब एक लाख 29 हजार 450 रुपए जब्त जप्त किए गए है। मौके से मंदसौर, भानपुरा, गरोठ, भैसोदामंडी और राजस्थान के जुआरी पकड़े गए है।

कार्रवाई के दौरान बोतलगंज सहित कई जगहों के जुआरियों को पकड़ा है। इनके पास से मोबाईल भी जब्त किए गए है। जाहिर सी बात है कि मोबाईल की कीमत ही 20-25 हजार आसानी से होगी। इसके अलावा अगर वाहनों में कम से कम दो सौ, तीन सौ रुपए का पेट्रोल डलवाकर तो जुआरी गए होंगे। लेकिन, औसत देखा जाए तो सिर्फ 02 हजार रुपए एक जुआरी लेकर गया था। जबकि दो सौ रुपए का तो चाय नाश्ता ही जुआरियों ने कर लिया होगा।

पैसे बांटने वाले कहां गायब...

जुए की फड़ में कोई भी जुआरी 20-25 हजार या उससे ज्यादा रूपए लेकर ही बैठता है। इसके बाद भी जुआरियो को महंगे ब्याज पर पैसा देने वाले भी वहां मौजूद रहते है, जो हारे जुआरी को एक लाख के स्थान पर 90 हजार रूपए देते है। जब जुआरी जीत जाता है तो वह रूपए वापस दे देता है। यदि नहीं दे पाता है तो एक लाख रूपए पर 01 हजार रूपए ब्याज शुरु हो जाता है।

पांच अलग-अलग मामले बनाए, यह पकड़ाए...

पुलिस ने बताया कि हेमंत गुर्जर के मकान से जुआ खेलते हुए दीपक पिता सज्जनलाल मीणा निवासी परोनिया, विक्रम पिता घासीलाल निवासी सातलखेडी, मुकेश पिता कैलाशचंद्र निवासी भानपुरा, गोपाल पिता मोहनलाल बागरी निवासी सातलखेडी, गोपाल पिता रामनारायण सोनी निवासी भैसोदा, अशोक पिता उदयलाल निवासी संधारा, भैरुलाल पिता नंदलाल निवासी संधारा, रामेश्वर पिता लालचंद निवासी संधारा को पकड़ा गया है। इनसे 17 हजार 770 रुपए , ताशपत्ती और सात मोबाईल जब्त किए गए है। इसी तरह से वसीम पिता अब्दुल रसीद निवासी मालीपुरा, राहुल पिता नंदकिशोर निवासी रामनगर, अब्दुल रजाक पिता अब्दुल मलिक निवासी भवानीमंडी, लक्ष्मण पिता ठाकुरलाल निवासी रामनगर, मोतीलाल पिता रोडीलाल निवासी भैसोदामंडी, राजू पिता बापूलाल निवासी भानपुरा, सलीम पिता फकीर मोहम्मद निवासी बरखेडागंगासा, राजा पिक्ष मोहम्मद शफीक निवासी भवानी मंडी को गिरफ्तार कर 21 हजार 590 रुपए और नौ मोबाईल जब्त किए है। पुलिस ने बताया कि एक अन्य प्रकरण में सीताराम पिता रामचंद्र गुर्जर निवासी बारां राजस्थान, मुबारिक पिता अली मोहम्मद निवासी भैसोदामंडी, मुकेश पिता रमेशचंद्र सुमन निवासी खोती, बालू पिता बाबूलाल निवासी भवानीमंडी, रमेश पिता रामचंद्र निवासी कोटडा बुजुर्ग, टिकम पिता भंवरलाल निवासी भवानीमंडी, हेमराज पिता नानूराम निवासी नारायणखेडा, ओमप्रकाश पिता रामगोपाल निवासी भवानीमंडी, आसिफ पिता सद्दाम पिंजारा निवासी संधारा को गिरफ्तार कर 20 हजार 590 रुपए जब्त किए गए है। वहीं हकीम पिता शरीफ निवासी भवानीमंडी, भगवानलाल पिता मांगीलाल निवासी सेमलिया, दीपक पिता पारस जैन निवासी रामगंज मंडी, गोपालसिंह पिता अर्जुनसिंह निवासी गुराडिया जोगा, राधेश्याम पित मदनलाल निवासी छतरपुरा, रामसिंह पिता सालगराम निवासी कोटडा बुजुर्ग, हंसराज पिता गणेशलाल निवासी पीली कोटडी, पीरुलाल पिता श्यामलाल निवासी भवानीमंडी, मुंशी पिता शफीक निवासी बोतलगंज को गिरफ्तार कर 42 हजार 10 रुपए और छह मोबाईल जब्त किए है। वहीं हरपाल पिता मूलचंद मनकानी निवासी भैसोदामंडी, मनोज पिता मोहनलाल निवासी भैसोदामंडी, बाबूलाल पिता मांगीलाल निवासी मालीपुरा, सलीम पिता रसीद निवासी संधारा, शरीफ पिता आशिक बैग निवासी भैसोदामंडी, मनोज पिता भैरुलाल निवासी मालीपुरा को गिरफ्तार कर 27 हजार 490 रुपए और दो मोबाईल जब्त किए गए है।

आतंकवादियों के खिलाफ चली कार्रवाई भारत-पाक युद्ध में बदल सकती है..?

मंदसौर/उज्जैन, 09 मई गुरु एक्सप्रेस। पहलगाम में हुए 26 भारतीयों के कत्ल के बाद से भारत सरकार ने एक तरह से आतंकवाद से बार-बार परेशान होकर पूरी तरह से मिटाने की जंग छेड़ दी है। भारत सरकार के अधिकृत बयान भी यही आ रहे हैं कि हमने सिर्फ पाकिस्तान के अंदर आतंकवादियों के ठिकानों पर हमले किए हैं ना कि सैन्य और आम आवासीय इलाकों पर। तकनीक की दुनिया में अगर भारत, पाकिस्तान सहित कुछ राष्ट्रों से आगे है तो कुछ विकसित राष्ट्र भी भारत से बहुत आगे हैं। आपसी युद्ध किसी भी दो राष्ट्र के बीच हो, असर दुनिया भर पर पड़ता ही है। इसलिए सभी संपन्न विकसित राष्ट्र ऐसे युद्धों पर गहरी नजर रखते हैं।

जैसे रूस यूक्रेन युद्ध पर आज भी सबकी नज़रें हैं, वैसे ही वर्तमान में भारत-पाक के विवाद पर भी है। इसलिए भारत सरकार के अधिकृत बयान पर पाकिस्तान के करीबी मित्र राष्ट्रों ने भी कड़ी आपत्ति दर्ज नहीं कराई है। अभी तक दुनिया भर के बड़े विकसित राष्ट्रों ने दोनों देशों को ही समझाने वाले बयान दिए हैं। जैसा की अनुमान था कि वर्तमान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में ड्रोन और सेटेलाइट के माध्यम से युद्ध होने लगेंगे। तो रूस-यूक्रेन के बाद अब भारत-पाक के वर्तमान युद्ध में भी ड्रोन का उपयोग किया जा रहा है। यह सभी जानते हैं कि दोनों देशों के पास न्यूक्लियर हथियार हैं। जिनका आपसी युद्ध में अगर उपयोग होता है तब नुकसान मानव जाति, पर्यावरण और दूसरे राष्ट्रों को भी सालों भुगतना पडेगा। इसी कारण जानकारों का दावा है कि भारत पाक युद्ध के बीच न्यूक्लियर हथियारों का उपयोग नहीं होगा। दूसरी तरफ यह आशंका भी है कि किसी एक बदमिज़ाज राजनेता या सैन्य अफसर इसके उपयोग के लिए वातावरण ना बना दे ! यह संभव नहीं लगता है फिर भी..! युद्ध तो युद्ध ही होता है, छोटा हो या बड़ा जान माल की हानि तो निश्चित ही होती है और इसी के साथ देश को चलाने वाली पूंजी का नुकसान भी। देश की प्रगति को दशकों पीछे धकेल देता है।

चन्द्रमोहन भगत

पाकिस्तान के बाजार की हालत से तो दुनिया वाकिफ है कि सामान्य खाद्य पदार्थ आटा, चावल, दाल, सब्जियों के भाव आसमान छू रहे थे। अब युद्धीय वातावरण में जनता और अधिक बदहाल हो जाएगी। भारत में भी औसत अनुपात में बाजार भाव बढने का असर आम आदमी की दिनचर्या पर पड़ेगा ही। साथ ही राष्ट्रीय खजाने के साथ सैन्य खर्च के आंकड़े भी दर्शाते हैं कि किस देश की सैन्य ताकत पर कितना बजट खर्च किया जाता है। जैसे अमेरिका का सैन्य बजट 997 अरब डॉलर है, चीन का 314, रुस का 150, जर्मनी का 88.5, भारत का 86.5, तो पाकिस्तान 10.02 अरब डॉलर के साथ 29वें नंबर पर है।

भारत से बहुत पीछे है अत: स्वाभाविक है कि एक सप्ताह तक युद्ध झेल पाना भी पाकिस्तान के लिए कठिन होगा। जबकि, भारत की आम वित्तीय सीमा भी पाकिस्तान के मुकाबले बहुत मजबूत है। मिलिट्री हेल्थ रैंकिंग में भी पाकिस्तान भारत से आठ पायदान नीचे है। विश्व के सभी देशों की सभी तरह की क्षमता की रैंकिंग में पाकिस्तान बहुत पिछड़ा हुआ है। बस सिर्फ एक विधा में पाकिस्तान भारत से आगे नजर आता है जिसे अनियंत्रित बयान बाजी कहा जा सकता है। पाकिस्तान के सभी मंत्री, अधिकारी, सैन्य अधिकारी आपस मे स्पर्धा करते रहते हैं कि किसके बयान से पाकिस्तान को कितना बड़ा नुकसान उठाना पड़ा है। वर्तमान युद्ध भी पहलगाम घटना के बाद के पाक अधिकारियों के बयान की उपज ही है। ऐसा भी नहीं है कि भारत की वैश्विक क्षमता को जानते नहीं हो। बार-बार बुरी तरह हारने के बाद भी अपने देश के टुकडे कराने के बाद भी शेखचिल्ली की तरह शेखी बघार कर फिर से अपने देश को नीचा दिखाने और टुकड़े कराने को तैयार है। इसे पाकिस्तान सरकार का बौद्धिक दिवालियापन ही परिभाषित किया जा सकता है।

विचार-मंथन

आतंक के खिलाफ निर्णायक जंग की ओर भारत

पहलगाम हमले के बाद जिस तरह दुनिया के अनेक देश भारत के समर्थन में खड़े नजर आ रहे हैं, उससे निश्चय ही पाकिस्तान में पल रहे आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक युद्ध को बल मिला है। सब जानते हैं कि पाकिस्तान सदा से भारत के विरुद्ध आतंकवाद को पोसता और एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करता रहा है। विश्व आतंकवाद की सूची में भी वह दुनिया में सबसे ऊपर के देशों में शुमार है। इसलिए चीन को छोड़ कर शायद ही किसी का पाकिस्तान को खुला समर्थन है। पहलगाम की घटना के बाद देश में जनाक्रोश है। पर सरकार अभी रणनीतिक रूप से संयम बरत रही है, तो उसकी वजहें साफ हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने कहा है कि सैन्य कार्रवाई समस्या का समाधान नहीं है। मगर रूस, जापान, अमेरिका आदि ने आतंकवाद से निपटने में भारत का समर्थन किया है। फिर भी पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा। पहलगाम हमले के बाद से ही वह लगातार नियंत्रण रेखा पर गोलीबारी कर रहा है। वह संघर्ष विराम का उल्लंघन कर एक तरह से भारत को उकसा रहा है। मगर भारत अभी सही समय के इंतजार में है। यह तो साफ है कि पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए केवल सैन्य कार्रवाई काफी नहीं है। उसके खिलाफ लंबे वक्त की रणनीति बना कर हमले करने होंगे। इसलिए सरकार ने पहले उस पर आर्थिक आघात करने का निर्णय किया। उसमें सिंधु जल समझौते को निलंबित कर दिया गया, पाकिस्तान से किसी भी प्रकार का आयात-निर्यात रोक दिया गया। माली बदहाली के बुरे दौर से गुजर रहे पाकिस्तान पर ये दो बड़े हमले हैं। उसके बाद सेनाध्यक्षों को कार्रवाई के लिए खुली छूट दे दी गई है। अब कई राज्यों में हवाई हमलों के वक्त नागरिकों को सतर्क रहने और सुरक्षा के अभ्यास कराए गए हैं। जाहिर है, जमीनी जंग की तैयारियां भी चल रही हैं। हालांकि कुछ लोग अब भी दबाव बनाने का प्रयास कर रहे हैं कि पाकिस्तान पर हमले में देर नहीं होनी चाहिए। मगर अब तक के अनुभवों से जाहिर है कि तात्कालिक प्रतिक्रिया में की गई कार्रवाइयों का कोई उल्लेखनीय और स्थायी प्रभाव नहीं पड़ा है। पुलवामा और उड़ी हमले के बाद सेना ने पाकिस्तान सीमा में घुस कर लक्षित हमले किए थे, पर हकीकत यही है कि वहां आतंकी प्रशिक्षण शिविर बंद नहीं हुए हैं। ऐसे में, अगर आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक युद्ध के लिए ठंडे दिमाग से रणनीति बनाई जा रही है, तो उम्मीद की जानी चाहिए कि उसका उल्लेखनीय नतीजा निकल सकता है। पाकिस्तान की सेना और खुफिया एजंसी आइएसआइ आतंकवादी संगठनों को संरक्षण और प्रशिक्षण देती रही हैं। जाहिर है, इन दोनों को सबक सिखाए बगैर इस समस्या पर काबू पाने का भरोसा नहीं दिलाया जा सकता। मगर इसके लिए सैन्य कार्रवाई के समांतर ही वहां की सियासी हुकूमत पर नकेल कसना भी जरूरी है। हालांकि पाकिस्तान एक तरह से दुनिया से अलग-थलग पड़ चुका है और चीन की इमदाद पर उसका गुजारा चल पा रहा है। बाहरी रकम का बड़ा हिस्सा सेना के हिस्से चला जाता है। ऐसे में उसे बाहर से मिलने वाली इमदाद और उसकी अंदरूनी कमजोरियों पर भी हमला करना जरूरी माना जाता है। भारत उसे उन सभी मोर्चों पर घेरने और कमजोर करने में जुटा है। इस रणनीतिक घेरेबंदी से बेहतर नतीजों की उम्मीद है।

...तो क्या ऑपरेशन सिंदूर के प्रतिरक्षात्मक मायने को समझ पाएगी आतंकी दुनिया?

कमलेश पांडे

.....और हां, इंडियन आर्मी या एयरफोर्स या नेवी ने या फिर उनकी संयुक्त कमान ने पाकिस्तान की सरजमीं पर घुसकर ऐसा निर्णायक प्रहार कोई पहली बार नहीं किया है, बल्कि उरी आतंकी हमले और पुलवामा आतंकी हमले के बाद भी भारतीय सेनाएं ऐसा कर चुकी हैं। इससे उम्मीद बंधती है कि भारतीय सेना उचित समय पर पाकिस्तान का सही इलाज करना जानती है और उसकी राह में कोई भी अंतरराष्ट्रीय दबाव काम नहीं आता है। इसबार भी लगभग यही नजर आया। ताजा सैन्य कार्रवाई की खास बात यह है कि भारतीय सेना ने सिर्फ पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों को ही निशाना बनाया है और वहां के किसी भी सरकारी बिल्डिंग या फिर पाकिस्तान के किसी नागरिक को निशाना नहीं बनाया गया है, जो भारत की शांतिप्रियता और आतंकवाद के खिलाफ शून्य सहिष्णुता की नीति को दर्शाता है। चूंकि भारत ने एक बार फिर से पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ठिकानों पर जोरदार एयर और मिलिट्री स्ट्राइक की है, जिसे 'ऑपरेशन सिंदूर' का नाम दिया गया है। लिहाजा इसके ऐतिहासिक और सांस्कृतिक मायने भी स्पष्ट हैं। बता दें कि भारतीय संस्कृति में सिंदूर का विशेष महत्व है और इसकी लाज रखने के लिए भारतीय शूरवीरों और उनकी फटरानियों ने या फिर आम आदमी ने भी एक बार नहीं बल्कि बार-बार निर्णायक कदम उठाए हैं। जिनका पूरा वृत्तांत हमारी लोकगाथाओं में दर्ज है। समझा जाता है कि हिंदुवादी भारत सरकार ने उनसे प्रेरणा ली और करारा कार्रवाई करने से भी नहीं हिचकिचाई। वैसे तो आजाद भारत में 1947 से शुरू हुए सांप्रदायिक दंगों और आतंकी या फिदायीन हमलों में अपनी सुहाग यानी सिंदूर गंवाने वाली महिलाओं की संख्या अब लाखों में पहुंच चुकी है। इस लिहाज से बदला लेने की जो निर्णायक कार्रवाई अब शुरू की गई है, वह थमनी नहीं चाहिए। यही देशवासियों की अपेक्षा है। बताया जाता है कि इस ताजातरीन ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों पर जो स्ट्राइक की गई है, उसकी सबसे पहले जानकारी रक्षा मंत्रालय ने ही दी है, जिसमें बताया गया है कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों को ही निशाना बनाया है। इस क्रम में वहां के किसी भी सरकारी बिल्डिंग या फिर पाकिस्तान के किसी नागरिक को निशाना नहीं बनाया गया है। बल्कि भारतीय सेना ने स्पष्ट कहा है कि हमने पहले भी ऐलान किया था कि पहलगाम आतंकी हमले के जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाएगा और अब हम इस प्रतिबद्धता पर खरे उतर रहे हैं। इससे हम समझ सकते हैं कि यहां देर आयद, दुरुस्त आयद की कहावत एक बार फिर से चरितार्थ की गई है। बकौल रक्षा मंत्रालय, कुल मिलाकर, 9 स्थलों को निशाना बनाया गया है। हमारी कार्रवाई केंद्रित, मापी गई और प्रकृति में गैर-उग्र रही है। किसी भी पाकिस्तानी सैन्य सुविधा को निशाना नहीं बनाया गया है। भारत ने लक्ष्यों के चयन और निष्पादन के तरीके में काफी संयम दिखाया है। ये कदम पहलगाम में हुए बर्बर आतंकवादी हमले के मद्देनजर उठाए गए हैं जिसमें 25 भारतीयों और एक नेपाली नागरिक की हत्या कर दी गई थी। हम इस प्रतिबद्धता पर खरे उतर रहे हैं कि इस हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाएगा। विश्वस्त अधिकारियों के अनुसार, भारतीय सेना द्वारा सफलतापूर्वक निशाना बनाए गए 9 ठिकानों में से चार पाकिस्तान में और पांच पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में हैं। पाकिस्तान में स्थित ठिकानों में बहावलपुर, मुरीदके और सियालकोट शामिल हैं। जहां पर मौजूद आतंकी शिविरों को निशाना बनाने के लिए विशेष सटीक हथियारों का इस्तेमाल किया गया। तीनों सेनाओं ने संयुक्त रूप से इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। वहीं, रक्षा विशेषज्ञ प्रफुल बख्शी ने कहा है कि, भारत ने ऐसा किया है। नौ जगहों को निशाना बनाया गया है। यह हवाई और तोपखाने से किया गया मिलाजुला हमला है। पाकिस्तान जवाबी कार्रवाई करेगा और वे भी कहानियां बनाना शुरू कर देंगे। हमें एक बात याद रखनी चाहिए- पीओके पर कब्जा करने के लिए हमला ही एकमात्र उपाय नहीं है, हमें धीरे-धीरे इस पर कब्जा करना शुरू करना होगा। पीओके हमारा है और हम इसे लेंगे। उधर, पाकिस्तान की सेना ने भी भारत की एयर स्ट्राइक को स्वीकार कर लिया है। उसने कहा है कि इस एयर स्ट्राइक में आठ लोगों की मौत हुई जबकि 33 लोग घायल हैं। पाकिस्तान के 6 ठिकानों पर 24 मिसाइल अटैक हुए हैं। हालांकि आपको स्पष्ट कर दें कि भारतीय सेना ने कहा है कि यह सभी ठिकाने आतंकियों के थे और उनको ही नुकसान पहुंचाया गया है। जहां बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद के ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की गई है। यहां पर जैश ए मोहम्मद का मुख्यालय है। वहीं मुरीदके में लश्कर के ठिकानों को निशाना बनाया गया है। वहीं, श्रीनगर एयरपोर्ट के डायरेक्टर ने बताया है कि आज एयरफील्ड को बंद कर दिया गया है। वहीं कोई भी सिविल फ्लाइट श्रीनगर एयरपोर्ट से ऑपरेट नहीं होगी। वहीं, भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर शुरू होने के बाद बुधवार सुबह 11 बजे सीसीएस की बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल हुए और पूरे ऑपरेशन की विस्तृत जानकारी ली। इससे पहले भारतीय सेना की एयर स्ट्राइक के बाद सेना अब सुबह 10 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई। जिसमें बताया गया है कि भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू कर दिया है। उधर, पाकिस्तान में 48 घंटे के लिए लाहौर और सियालकोट एयरपोर्ट को बंद कर दिया गया है। पाक ने माना है कि पांच ठिकानों पर हमले किए गए हैं। सूत्रों के अनुसार भारतीय सेना ने रात करीब 1:30 बजे एयर स्ट्राइक की है और 1:44 पर इसकी जानकारी देशवासियों को दी गई है। उधर, पाकिस्तान में मस्जिदों से नागरिकों को घरों के अंदर रहने की चेतावनी दी गई है। ऑपरेशन के बाद पाकिस्तान डरा हुआ है। भारत की ओर से 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाक अधिकृत जम्मू कश्मीर में आतंकी शिविरों पर हमला करने के कुछ घंटों बाद पाकिस्तान ने संघर्ष विराम का उल्लंघन किया गया, जिसका सेना ने उचित जवाब दिया है। भारतीय सेना ने ट्वीट करते हुए लिखा, पाकिस्तान ने पुंछ-राजौरी क्षेत्र के भीमबेर गली में तोपखाने से गोलीबारी करके एक बार फिर संघर्ष विराम समझौते का उल्लंघन किया है। भारतीय सेना उचित तरीके से जवाब दे रही है।

तलवार से गहरी होती है शब्दों की चोट...

संदीप पांडे 'शिष्य'

हमारे शब्द और उनकी अभिव्यक्ति हमको अपने भाव प्रकट करने में मदद करते हैं। अपने विचार को शब्द देकर हम अपने मन की जकड़बंदी से मुक्त होता हुआ-सा महसूस करते हैं। अपने शब्दों को गौर से देख कर ही हम यह कह सकते हैं कि इनका कोई अंत नहीं है। मिसाल के तौर पर किसी की तारीफ करने के लिए हमारे पास अनगिनत शब्द मौजूद हैं। किसी से प्रभावित होकर उसके काम के लिए हमारे मुंह से तारीफ की झड़ी लग ही जाती है- कमाल, शानदार, अद्भुत, अद्वितीय, अलौकिक, बहुत बढ़िया, क्या बात है, क्या कहना, लाजवाब आदि। शब्द एक के बाद एक अभिव्यक्त होते चले जाते हैं। यह सुनकर किसी को भी अच्छा लगता है। खुशी की लहर जाग उठती है। आगे जाकर और अच्छा काम करने का उत्साह जाग जाता है। उसी तरह कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जिनके पास एक पर्याप्त शब्दकोश होता भी है, मगर वे मितभाषी होते हैं। जनसंपर्क में इतने कुशल नहीं होते। वे खुलकर अपने शब्दों को आवाज नहीं दे पाते हैं। कारण यह है कि वे लोग अपने काम में मगन और खामोश रहते हैं। मगर इनके मौन रहने से इतना नुकसान कभी नहीं होता, जितना वैसे लोगों की मुखरता से हो जाता है जो बस बोलते ही जाते हैं। शब्दों ने किसी को अगर कुछ नैतिक बल दिया है तो बहुत कुछ लिया भी है। हम आए दिन देखते हैं कि हमारे आसपास कुछ लोग शब्दों को बरतने में चूक कर जाते हैं। वे कोई एक ऐसा शब्द कह देते हैं कि मन की तकलीफ बढ़कर सौ गुना हो जाती है। किसी विचारक ने कहा भी है कि तन के दर्द से मन की पीड़ा सौ गुना ज्यादा दुख देती है। उदाहरण के लिए, चुनाव प्रचार के समय नेताओं के शब्द, यानी उनके वादे। मगर जब ऐसे शब्द या वादे खोखले साबित होते हैं तो बहुत उदासी महसूस होती है और दर्द होता है। यह बेवजह नहीं है कि नेताओं के शब्द पर एक लतीफा तक बन चुका है कि नेता यह बता सकते हैं कि कल क्या होगा? अगले पांच साल में क्या क्या होगा..! उसके पांच साल बाद वे यह भी कुशलता से बता सकते हैं कि ऐसा क्यों नहीं हुआ। कहा जाता है कि राजनीति का सारा खेल शब्दजाल ही है। जनता की तालियों के बीच नेता बोल कर चल देते हैं, पर जनता उन्हीं शब्दों से कितनी छलनी होती है, इससे किसी को कुछ भी लेना-देना नहीं होता। सुकरात ने कहा था कि शब्द का गलत उपयोग आत्मा में बुराई उत्पन्न करता है। वे एक के बारे में नहीं, समूचे समाज की बात कर रहे थे। शब्द का गलत उपयोग करना वह है जो महज स्वार्थ और प्रचार के लिए किया जाता है, मुनाफे के लिए, बिना यह जिम्मेदारी लिए कि शब्दों का क्या मतलब है। जब भाषा का उपयोग शक्ति प्राप्त करने या पैसे कमाने के लिए किया जाता है, तो वह गलत होता है। यह झूठ बोलना अनेक जीवन को दुविधा में डाल देता है। हालांकि राजनीतिक फायदा उठाने वालों की सोच, छल, नकारात्मक सोच से अब लोगों ने उनके शब्दों को गंभीरता से लेना बंद कर दिया है। अब समस्या शब्द की नहीं, संप्रेषण की भी हो चली है। जीवन पर हावी तकनीक की दुनिया में 'इमोजी' ही शब्द बनती जा रही हैं। इसके आगे सारे शब्द बेअसर, बेचारे, अनुपयोगी बन कर रह जाते हैं। लोग अब मोबाइल संदेशों में बात करते हुए शब्दों का इस्तेमाल कम करते हैं। मगर आत्मीयता के चिह्न तो केवल शब्द में ही पाए जाते हैं। शब्द वास्तव में ताकत के प्रतीक होते हैं। इसीलिए शब्दों की महिमा को अपरंपार और अक्षर को नश्वर बताया गया है। शब्दों की धार तलवार से भी ज्यादा तेज होती है। तलवार की धार से एक बार आदमी भले ही बच जाए, मगर शब्द की मार उसे कहीं का नहीं छोड़ती। यही कारण है कि संभलकर बोलने और उपयुक्त शब्द इस्तेमाल करने की सलाह दी जाती है। जो संभलकर बोलेगा, वह वाहवाही भले न लूटे, पर जीतेगा वही, यह तय है। संसार पर राज वही करता है जो अपने शब्दों का सही इस्तेमाल जानता है और कब, कहां, क्या शब्द बोला जाए, इसे समझता है। हमारे बुजुर्ग भी हमेशा यही कहते हैं कि कभी भी किसी को दिल दुखाने या चुभने वाली बात न करें। सच यह है कि समय बीत जाता है, वह मौका भी चला जाता है, पर बातें यानी शब्द याद रहते हैं। आजकल कुछ अभिभावक भी अपने बच्चों के प्रति चिंता के कारण उनसे कुछ न कुछ बेमानी बोल देते हैं। दरअसल, वे बालक के पालक हैं। उनके मन में ममता है, इसलिए उनके शब्द हमेशा हृदय से निकलते हैं। उनके मन में अपनी संतान के लिए असल नाराजगी नहीं होती।

पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम का गर्मी के मौसम पर हो सकता है बुरा असर

पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम होने पर महिलाओं के पीरियड्स अनियमित हो जाते हैं, मूड स्विंग्स, वेट बढ़ना और एक्ने जैसी समस्या होती है। हालांकि उम्र और मौसम के हिसाब से भी कई बार इस कंडीशन में बदलाव आता है। गर्मी के मौसम में होने वाले बदलाव की वजह से शरीर को एक हेल्दी बैलेंस मिलता है। पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम यानी की पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम एक हार्मोनल डिसऑर्डर है। जिससे काफी महिलाएं प्रभावित हैं और उनको इसके कारण रोजमर्रा की जिंदगी में कई दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। पॉलीसिस्टिक होने पर महिलाओं के पीरियड्स अनियमित हो जाते हैं, मूड स्विंग्स, वेट बढ़ना और एक्ने जैसी समस्या होती है। हालांकि उम्र और मौसम के हिसाब से भी कई बार इस कंडीशन में बदलाव आता है। गर्मी के मौसम में होने वाले बदलाव की वजह से शरीर को एक हेल्दी बैलेंस मिलता है, जिससे पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम के लक्षण कम होने लगते हैं। ऐसे में आप कुछ बातों का ध्यान रखकर इस कंडीशन को मैनेज कर सकती हैं। हेल्थ एक्सपर्ट की मानें, तो गर्मियों में नेचुरल रिदम की वजह से शरीर में काफी बदलाव आते हैं। इस मौसम में कुछ बातों का खास ख्याल रख कर आप हार्मोनल हेल्थ का ध्यान रख सकती हैं। गर्मियों में हाइड्रेटेड रहना हार्मोनल हेल्थ के लिए काफी अच्छा होता है। सही हाइड्रेशन मेटाबॉलिज्म को सुधारता है और शरीर से टॉक्सिन्स को बाहर निकालता है। साथ ही डाइजेशन में भी सुधार होता है। गर्मियों में अधिक से अधिक पानी पीना चाहिए। वहीं पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम को मैनेज करने के लिए भी पुदीना, नींबू या फिर चिया सीड्स का डिटॉक्स वॉटर पीना चाहिए। इनमें मौजूद एंटी ऑक्सीडेंट्स स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है। वहीं हल्दी-फुल्की एक्सरसाइज भी बॉडी को डिटॉक्स करने के साथ हार्मोनल हेल्थ को सुधारने और ब्लोटिंग की समस्या को कम करने में सहायता करती है। प्रोसेस्ड फूड्स, शुगर वाले ड्रिंक् और अधिक कैफीन का सेवन करने से बचना चाहिए। क्योंकि इससे हार्मोन्स में उतार-चढ़ाव होता है। एंटी-इंफ्लेमेटरी और हार्मोनल फेंडली डाइट गर्मियों में सेहत के लिए फायदेमंद हो सकती है। इसलिए विटामिन्स और एंटी-ऑक्सीडेंट्स से भरपूर सीजनल फल और सब्जियों का सेवन करना चाहिए। रेगुलर एक्सरसाइज भी पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोमको मैनेज करने में अहम भूमिका निभाती है। सुबह या शाम के समय आप एक्सरसाइज कर सकते हैं। आप ब्रिस्क वॉकिंग, स्वीमिंग और योग कोर्टिसोल लेवल्स कम करने के पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोमके लक्षणों को मैनेज करने में सहायता कर सकते हैं। गर्मियों में दिन लंबे होते हैं, जिसका अहम स्लीपिंग पैटर्न पर भी होता है। वहीं अच्छी और गहरी नींद हार्मोनल बैलेंस के लिए जरूरी होती है। इसलिए इस मौसम में बेड टाइम रूटीन पर खास ध्यान देना चाहिए। सोने से पहले स्क्रीन का इस्तेमाल न करें और सोने से लिए सुकून भरा ठंडा वातावरण बनाएं। बता दें कि अच्छी और गहरी नींद कोर्टिसोल, इंसुलिन और मेलाटोनिन हार्मोन को मैनेज कर सकती हैं। यह पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम के लक्षणों को कम या अधिक करने के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं। इसके साथ ही गर्मी के मौसम में 10-15 मिनट सूरज की रोशनी में रहना ओवरियन फंक्शन को सुधारता है। यह शरीर में विटामिन डी के लेवल को मैनेज करने के साथ इंफ्लेमेशन को कम करता है और मूड सुधारता है। इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं।

युद्ध में भारत की विजय के लिए आर्य समाज में प्रतिदिन हो रहा है यज्ञ

मंदसौर, 09 मई गुरु एक्सप्रेस। आर्य समाज द्वारा भारतीय सेना की कुशलता एवं भारत-पाकिस्तान युद्ध में भारत की विजय के लिए प्रतिदिन प्रात: 9 से 10 यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। यह यज्ञ राष्ट्र की सुरक्षा, सैनिकों के मनोबल और देश की अखंडता के लिए प्रार्थना स्वरूप किया जा रहा है। आज यज्ञ देहरादून के मुनि सत्यव्रत जी आर्य द्वारा सम्पन्न कराया गया। आर्य समाज प्रधान मधुसूदन आर्य ने बताया कि आर्य समाज की परंपरा रही है कि वह सामाजिक और राष्ट्रीय मुद्दों पर वैदिक विधियों से जनजागृति और प्रार्थना का आयोजन करता है। इस यज्ञ में स्थानीय नागरिकों, युवाओं और समाजसेवियों द्वारा प्रतिदिन आकर आहुति दी जा रही है। आर्य समाज के मधुसूदन आर्य, नारायण लाल चौधरी, डालूराम लिलोरिया, महेश शर्मा, रश्मि शर्मा, सुधा कुर्मी, सुनील गुप्ता, रमेशचन्द्र राव आदि ने सभी नगरवासियों से प्रात: 9 से 10 बजे तक आर्य समाज में उपस्थित होकर भारतीय सेना व भारत के विजय के लिये यज्ञ में बैठने व आहुति देने का आव्हान किया है।

जिला कार्यक्रम अधिकारी सुश्री पंड्या ने वन स्टाप सेंटर का किया निरीक्षण

नीमच, 09 मई गुरु एक्सप्रेस। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग नीमच सुश्री अंकिता पंड्या ने शुक्रवार को सखी-वन स्टॉप सेंटर,नीमच का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण दौरान वर्तमान में कोई भी बालिका, महिला आश्रयरत नहीं पाई गई है। उन्होंने स्टॉफ को आवश्यक निर्देश भी दिए।

मप्र शासन का बड़ा फैसला...

शा. सेवकों का मंहगाई भत्ता बढ़ाकर 55 प्रतिशत किया, आदेश जारी

मंदसौर, 09 मई गुरु एक्सप्रेस। राज्य शासन ने शासकीय सेवकों को बडी राहत देते हुए मंहगाई भत्ते की दर में वृद्धि का आदेश जारी किया है।

दो चरणों में बढ़ेगा डीए– आदेशानुसार, सातवें वेतनमान के तहत आने वाले कर्मचारियों को वर्तमान 50% महंगाई भत्ते के स्थान पर दो चरणों में बढा हुआ भत्ता मिलेगा। एक जुलाई 2024 से मंहगाई भत्ता 3% बढ़कर 53% किया गया है, जिसका भुगतान अगस्त 2024 के वेतन में होगा।इसी तरह 1 जनवरी 2025 से इसमें और 2% की वृद्धि कर इसे कुल 55% कर दिया जाएगा, जिसका भुगतान फरवरी 2025 के वेतन के साथ किया जाएगा।

मई 2025 से मिलेगा लाभ, एरियर 5 किश्तों में– राज्य शासन ने स्पष्ट किया है कि इस वृद्धि का वास्तविक लाभ 1 मई 2025 से दिया जाएगा और 1 जुलाई 2024 से 30 अप्रैल 2025 तक की एरियर राशि का भुगतान जून से अक्टूबर 2025 के बीच 5 किश्तों में किया जाएगा।

सेवानिवृत्त व दिवंगत कर्मियों को एकमुश्त भुगतान– 1 जुलाई 2024 से 31 मई 2025 के बीच सेवानिवृत्त हो चुके शासकीय कर्मचारियों को एरियर की पूरी राशि का एकमुश्त भुगतान किया जायेगा। इसी तरह एक जुलाई 2024 से 31 मई 2025 की अवधि में मृत कर्मचारियों के परिजनों को एरियर की पूरी राशि एकमुश्त प्रदान की जाएगी।

अन्य निर्देश– 50 पैसे या उससे अधिक की राशि को अगले पूर्णांक रुपए में पूर्णांकित किया जाएगा। मंहगाई भत्ते का कोई भी भाग वेतन के रूप में नहीं माना जाएगा। इस भुगतान का व्यय संबंधित विभाग के चालू वित्तीय वर्ष के स्वीकृत बजट प्रावधान से अधिक नहीं होना चाहिए।

नपा की पीआईसी की बैठक में 415 प्रकरणों को मिली मंजूरी

मंदसौर, 09 मई गुरु एक्सप्रेस। नगर पालिका की पीआईसी (प्रेसिडेंट इन काउंसिल) की बैठक कल शुक्रवार को नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर की अध्यक्षता में संपन्न हुई इस बैठक में पीआईसी के समक्ष कुल 415 प्रकरण रखे गए जिसमें व्यापक विचार विमर्श के उपरांत सभी 415 प्रकरणों को मंजूरी प्रदान की गई इस बैठक में नगर पालिका सभापतिगण सत्यनारायण भांभी, रमेश ग्वाला, निलेश जैन, श्रीमती कौशल्या बंधवार, श्रीमती दीपमाला मकवाना श्रीमती निर्मला चंदवानी, सीएमओ सुधीर कुमार सिंह भी उपस्थित थे।

बोर्ड परीक्षा में दलौदा पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने परचम लहराया

मंदसौर, 09 मई गुरु एक्सप्रेस। दलौदा पब्लिक स्कूल, दलौदा के विद्यार्थियों ने पिछले कई वर्षों के उत्कृष्ट प्रदर्शन को फिर से दोहराते हुए इस बार भी विद्यालय के विद्यार्थियों ने बोर्ड परीक्षा की कक्षा 10वीं और 12वीं परीक्षा में विद्यालय का पताका को लहराया।

पिछले कई वर्षो की तरह इस साल कक्षा 10वीं के जो विद्यार्थी जिन्होंने 90% से अधिक अंक प्राप्त किये उनमें प्रियांशु सोमानी 96.6%, हर्षिता सूर्यवंशी 93.6%, कैटरीना सोनी 93.6%, राधिका पाटीदार 93.6%, पूनम टेलर 93.4%, अन्नपूर्णा लोहार 93%, हितांश जैन 93%, वैदेहीराज सिसौदिया 92.4%, रितेश पाटीदार 92.2%, शीतल पाटीदार 91.4%, प्रेरणा धाकड 90.4%, विनीता पाटीदार 90.4% अंक प्राप्त किये। इसी प्रकार कक्षा 12वीं में 70% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी गणित संकाय से वर्षा पाटीदार 80.8%, योगेश धाकड 77.2%, सुमित बैरागी 75.4%, तनिषा प्रजापति 72.4%, हर्षिता बाफना 70.6% रहे। विज्ञान संकाय से यशस्वी जैन 84.6%, साक्षी आंजना 84%, अर्चिता पाटीदार 76%, डॉली सिसौदिया 75%, हितांशी मकवाना 73.2%, दिव्या पाटीदार 72.2% एवं कीर्ति बैरागी 72% रहे। कॉमर्स संकाय से वंदना धाकड 77.6%, कृष भावसार 75.2%, खुशी शर्मा 75%, अर्चिता कुमार देवडा 72.6% रहे। दलौदा पब्लिक स्कूल दलौदा विद्यालय परिवार सभी विद्यार्थियों के इस उत्कृष्टपरिणाम के लिए उनको और उनके परिवार को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

महिलाओं ने जाम लगाकर सौंपा ज्ञापन

नगरी, 09 मई गुरु एक्सप्रेस। शुक्रवार को दोपहर 1 बजे के करीब नगर के वार्ड क्रं 15 अयोध्या बस्ती की महिलाओं ने नप कार्यालय के सामने पहुँच कर मुख्य सडक पर जाम लगाया। करीब पौन घंटे भर धरना प्रदर्शन के बाद कचनारा पुलिस मौके पर पहुची तथा चक्काजाम खुलवाया। महिलाएं वार्ड वासियों की प्रमुख मांग वार्ड में मांगलिक भवन निर्माण, पेयजल समस्या का समाधान एक नियमित साफ सफाई करवाने की थी। सीएमओ धर्म चंद को ज्ञापन देने लगी किंतु सीएमओ ने ज्ञापन नहीं लिया। इसके बाद नप अध्यक्ष प्रतिनिधि घनश्याम बग्गड ने नप कार्यालय पहुँच कर ज्ञापन लिया तथा वार्ड वासियों को समस्या समाधान का आश्वासन दिया।

मांगलिक भवन की भूमि आवंटन की प्रक्रिया चल रही है– नप अध्यक्ष संगीता बग्गड ने बताया कि वार्ड नं 15 अयोध्या बस्ती के लिए मांगलिक भवन हेतु भुमि आवंटन की प्रक्रिया नप द्वारा संचालित की हुई है।स्ट्रीट लाइट एवं पेयजल समस्या को लेकर भी संबंधित कर्मचारियों को निर्देशित किया है ,अगले एक-दो दिन में सारी समस्याओं का समाधान कर दिया जाएगा।

बांणदा के पंचायत सचिव महेश बरड़े निलंबित

नीमच, 09 मई गुरु एक्सप्रेस। जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव ने जनपद जावद की ग्राम पंचायत बांणदा के सचिव श्री महेश बरडे को ईकेवायसी अभियान में रूची नहीं लेने और समग्र से ईकेवायसी करने के लिए आवंटित लक्ष्यई 56.82 प्रतिशत के विरुद्ध मात्र 33 ईकेवायसी करवाने एवं अपने पदेन कर्तव्यों के प्रति घोर लापरवाही एवं उदासीनता बरतने पर सचिव श्री महेश बरडे को निलंबित कर दिया गया है। उनका मुख्यातलय कार्यालय जनपद पंचायत जावद नियत किया गया है। निलंबन अवधि में इन्हेंक नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्तेच की पात्रता होगी। उक्तई आदेश तत्कौल प्रभावशील होगा।

शिवना को कोई गंदा करता दिखाई दे तो उसे रोके, टोके व मुझसे शिकायत करे-विधायक

पांच फीट पानी में उतरकर श्रमदानियों ने 02 घण्टे में निकाली 09 ट्राली गंदगी

मंदसौर, 09 मई गुरु एक्सप्रेस। जागरूक एवं लोकप्रिय विधायक श्री विपिन जैन के आव्हान पर चल रहे शिवना शुद्धिकरण अभियान में बड़ी संख्या में श्रमदानियों ने नदी में 4-5 फीट पानी में उतरकर अपने हाथों से गेती फावड़ों की मदद से 2 घण्टे श्रमदान कर 9 ट्राली गाद व जलकुंभी निकाली। शुक्रवार को सकल जैन समाज, लायंस क्लब, हुमड जैन समाज, मण्डी व्यापारी संघ, कांग्रेस जन, सहित गांव गुराडिया देदा, दलौदा रेल, पटेला, धमनार आदि गांवों से बड़ी संख्या में शिवना शुद्धिकरण के संकल्प को लेकर जिम्मेदार नागरिको ने पहुंचकर शिवना मैया के जल से गंदगी साफ की।

विधायक श्री विपिन जैन ने कहा कि इस शिवना नदी में मिल रहे गंदे पानी की रोकथाम आवश्यक है। साथ ही कई लोग पूजा सामग्री शिवना में प्रवाहित करते है जिससे भी शिवना गंदी हो रही है। आपने नगरवासियों से आव्हान किया कि मंदसौर की जीवन रेखा शिवना के जल को शुद्ध बनाये रखने हेतु स्वयं भी जागरूक हो और दूसरों को जागरूक करे। कोई शिवना गंदी करता है तो उसे रोके, टोके और उसकी शिकायत मुझसे करे। मीडिया प्रभारी राजनारायण लाड ने बताया कि विधायक श्री जैन शिवना को लेकर संवेदनशील है तथा वह शिवना शुद्धिकरण हेतु हर प्रयास कर रहे है। शुक्रवार को विधायक श्री विपिन जैन, राघवेन्द्रसिंह तोमर, विकास दशोरा, तरूण खिंची, मनजीतसिंह टूटेजा, राजनारायण लाड, विश्वास दुबे, संजय नाहर, राजेश फरक्या, मनोहर नाहटा, रमेश सिंगार, राजेश खिची, राकेश सेन, दिलीप देवडा, भंवरलाल माली, सोहनलाल धाकड, मोहनपुरी गोस्वामी, अभिषेक तिवारी, अम्बालाल हिंगोरिया, सलीम खान, रमेश ब्रिजवानी, महेश गुप्ता, अजय सोनी, आमिन खान, सादिक गोरी, गोलू डगवार, मनोहर रत्नावत, गणपत कुमावत, शुभम जैन, एम्ब्रोज वाल्टर, साबिर इलेक्ट्रीशियन, चन्द्रशेखर अहिरवार, ओमप्रकाश सूर्यवंशी, राजेश चौधरी, महिला नेत्री इष्ठा भाचावत, सोनाली जैन, प्रमिला पंवार, रूपल संचेती, रीना बसेर, वर्षा सांखला, गीताली पोरवाल, दीपाली पोरवाल, अंशिका उपाध्याय, दीपा दादवानी, राखी सत्रावाला, समाजसेवी रामचन्द्र मालवीय रिटायर्ड टीआई, घनश्याम भावसार, रमेश सोनी, लक्ष्मीनारायण मकवाना, सत्येन्द्रसिंह सोम, हरिशंकर शर्मा, राजू सतीदासानी, राजकुमार जोशी, सकल जैन समाज के जय कुमार बड़जात्या, भरत कोठारी, जितेन्द्र अग्रवाल, सुनील तलेरा, प्रतीक चण्डालिया, शरद गांधी, अजीत बंडी, सुरेश तेलवाला, मण्डी व्यापारी संघ के राजेन्द्र नाहर, अजय सोमानी, पुनमचंद कुमावत, राजू सेठिया पीएम, मनीष सेठी, लायंस क्लब मंदसौर के जितेन्द्र पोरवाल, नारायणसिंह चौहान, सिद्धार्थ पोरवाल, डॉ. देवेन्द्र पुराणिक, निर्विकार रातडिया, डॉ. अशोक सौलंकी, डॉ. विक्रांत भावसार, मयूर सुराना, सुनील बाफना, रत्नेश कुदार, हुमड जैन समाज के दीपक भूता, अरविन्द मिण्डा, विशाल गोदावत, संजय दोशी, ग्राम गुराडियादेदा से आये गोपाल पटेल, वरदीचंद शर्मा, सत्यनारायण शर्मा, राधेश्याम नगीना, दलौदा रेल ग्राम से आये रमेश पाटीदार, रघुवीरसिंह भाटी, पटेला गांव से आये रामगोपाल बामनिया, विनोद बामनिया, धमनार से सोहनलाल धाकड सहित बड़ी संख्या में नागरिकों ने उपस्थित होकर श्रमदान किया।

कालिदास प्रसंग का आयोजन 26 जून को, बैठक सम्पन्न

मंदसौर, 09 मई गुरु एक्सप्रेस। कालिदास संस्कृत अकादमी उज्जैन के तत्वावधान में मंदसौर में प्रतिवर्ष कालिदास प्रसंग का आयोजन किया जाता है। इस आयोजन को इसकी गरिमा के अनुरूप उंचाइयां देने और अधिक से अधिक लोगों को इसमें जोडने के संकल्प के साथ अब यह आयोजन किया जाएगा। यह विचार कालिदास संस्कृत अकादमी उज्जैन के निदेशक डॉ. गोविंद गन्धे ने व्यक्त किए। आप नगर के साहित्यकारों, शिक्षाविदों और गणमान्य जनों की कालिदास प्रसंग आयोजन की तैयारियों संबंधी बड़ी बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कविकुलगुरु कालिदास का भगवान पशुपतिनाथ की प्राचीन दशपुर नगरी यानी आज के मंदसौर से उतना ही संबंध और लगाव है जितना भगवान महाकाल की नगरी उज्जैन से रहा है। मंदसौर में अब आषाढ मास की शुक्ल प्रतिपदा की तिथि जो इस वर्ष 26 जून के दिन आ रही है कालिदास प्रसंग का आयोजन किया जाएगा। प्रतिवर्ष इसी तिथि को यह आयोजन होगा।समय पूर्व यह बैठक इसलिए की जा रही है कि आप सभी के सुझावों और विचारों को भी इस भव्य आयोजन में समाहित किया जा सके। बैठक में उपस्थित लता मंगेशकर शासकीय संगीत महाविद्यालय की प्राचार्य सुश्री डॉ. उषा अग्रवाल ने कहा कि कालिदास प्रसंग का मंदसौर में होना हम सबके लिए गर्व की बात है इस आयोजन को इसके स्तर के अनुरूप गरिमा देना भी हम सभी का कर्तव्य है। उच्च न्यायालय के सेवानिवृत न्यायाधीश गिरिराजदास सक्सेना ने कहा कि कालिदास प्रसंग में मंदसौर के सभी रचना धर्मियों को जोड़ने का प्रयास अधिक सक्रियता से किए जाने चाहिए।

प्रसिद्ध पुरा विद्वान डॉ. कैलाश चंद्र पांडे ने कहा कि महाकवि कालिदास का दायरा बहुत विस्तारित है मंदसौर के साथ ही आगे नीमच और प्रतापगढ भी उनके कार्य क्षेत्र में आता है। वरिष्ठ पत्रकार डॉ. घनश्याम बटवाल ने कहा कि नगर में जब से कालिदास प्रसंग की परंपरा शुरू हुई है हम हमेशा आयोजन से आत्मिक भाव से जुड़े हैं इस समारोह में युवाओं को अधिक से अधिक जोड़ा जाना चाहिए। वरिष्ठ समाजसेवी गुरुचरण बग्गा ने कहा कि इस तरह के आयोजन केवल बुद्धि विलास के लिए नहीं होने चाहिए हर आयु वर्ग के विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाना चाहिए। वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक नरेंद्र सिंह सिपानी ने घोषणा की कि कालिदास प्रसंग के साथ विद्यार्थियों के लिए अलग-अलग विधाओं की प्रतियोगिताएं रखी जाएं तो वे विजेताओं को तीन श्रेणियों में 51-51 सो के नगद पुरस्कार की प्रयोजना करेंगे। लीड कॉलेज राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जे एस दुबे ने कहा कि कालिदास प्रसंग जैसे स्तरीय आयोजन में ज्यादा से ज्यादा विद्यार्थी जुड़ें इस हेतु उनमें रुचि जागृत करने की आवश्यकता है।डॉ.क्षितिज पुरोहित ने प्रदर्शनी शुभारंभ और मंचीय आयोजन हेतु अलग अलग समितियां बनाई जाना चाहिए। शिक्षाविद रमेश चंद्र ने कहा कि कालिदास संस्कृत अकादमी उज्जैन के मार्गदर्शन में स्थानीय समिति का गठन करना चाहिए जो इस आयोजन को संचालित करें। शिक्षाविद डॉ. रविंद्र कुमार सोहोनी ने कहा कि इस आयोजन में स्थानीय कलाकारों को भी पर्याप्त अवसर मिलना चाहिए। सार्थक संस्था की संस्थापक डॉ.उर्मिला तोमर ने कहा कि कालिदास प्रसंग के आयोजन का अधिक से अधिक प्रचार प्रसार किया जाना चाहिए। प्राचार्य सुदीप दास ने कहा कि प्रत्येक शिक्षण संस्था इस आयोजन के साथ जुड़ें यह प्रयास आवश्यक है। दशपुर जागृति संगठन के संयोजक सत्येंद्र सिंह सोम कहा कि सोशल मीडिया के माध्यम से भी इस आयोजन को प्रसारित किया जाना चाहिए। मप्र हिंदी साहित्य सम्मेलन जिला इकाई के अध्यक्ष वेद मिश्रा, लता मंगेशकर संगीत महाविद्यालय जन भागीदारी समिति के अध्यक्ष नरेंद्र कुमार त्रिवेदी, योगगुरु बंशीलाल टांक, मधुर गायक और शिक्षाविद महेश कुमार त्रिवेदी कवि लालबहादुर श्रीवास्तव, पर्यावरणविद श्रीमती चंदा डांगी रंग कर्म से जुड़े प्रदीप शर्मा मनी शामगढ वाला आदि ने महत्व पूर्ण सुझाव दिए। बैठक में सेवानिवृत न्यायाधीश रघुवीर सिंह चुंडावत, प्रवासी समुदाय मालवा प्रांत प्रमुख रविप्रताप सिंह बुंदेला, संस्कार भारती के संयोजक कन्हैया देशमुख, सर्वसमाज प्रतिनिधि विनोद मेहता , वरिष्ठ पत्रकार विक्रम विद्यार्थी, नरेंद्र अग्रवाल प्रदीप भाटी, लोकेश पालीवाल डाइट प्राचार्य दिलीप सिंह राठौर, समाजसेवी पं. अरुण शर्मा, राजेंद्र चाष्ट ,राजेंद्र छाजेड, डॉ. दिनेश तिवारी, अखिल भारतीय साहित्य परिषद जिला अध्यक्ष नरेंद्र भावसार सचिव, नंदकिशोर राठौर, सीए विकास भंडारी, पं.दिलीप दुबे, अजय डांगी, अजय कुमार सिखवाल एड., यश गुप्ता एड.महेश शर्मा पप्पू, प्रकाश कल्याणी, अनिल लालवानी, सहित विभिन्न शासकीय आशासकीय विद्यालय के संस्कृत विषय के शिक्षक शिक्षिकाएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे। बैठक का संचालन वरिष्ठ पत्रकार और कालिदास प्रसंग के स्थानीय संयोजक ब्रजेश जोशी ने किया आभार कालिदास संस्कृत अकादमी के कार्यक्रम प्रभारी अनिल कुमार बारोड ने माना।

भाविप द्वारा जिला जैल मंदसौर में दो पंखे भेंट किये

मंदसौर, 09 मई गुरु एक्सप्रेस। भारत विकास परिषद शाखा मंदसौर द्वारा किए जा रहे सेवा कार्य के तहत परिषद द्वारा 2नग छत पंखे जिला जेल मंदसौर में एडवोकेट गौरव रत्नावत परिवार के सहयोग से भेंट कीये। शुक्रवार को जिला जेल में आयोजित एक संक्षिप्त कार्यक्रम के दौरान जिला जेलर श्री पीके सोलंकी ,उप अधीक्षक श्रीवास्तव को भेंट किए गए। परिषद के इस कार्य की सराहना करते हुए जेलर श्री सोलंकी ने समिति सदस्यों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रांतीय अध्यक्ष श्री घनश्याम पोरवाल, नरेंद्र कुमार त्रिवेदी, प्रकल्प प्रमुख एडवोकेट गौरव रत्नावत, मंदसौर शाखा अध्यक्ष डॉ आशीष अग्रवाल सचिव दिलीप सेठिया डॉ नवीन कुमार चौधरी, सुभाष गुप्ता अशोक सोलंकी राजेंद्र चाष्ट आदि उपस्थित थे।

दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाने के लिए शिविर 14 को

नीमच, 09 मई गुरु एक्सप्रेस। जिला प्रशासन द्वारा कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा एवं जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव के निर्देशानुसार, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग नीमच द्वारा डिप्टी कलेक्टर सुश्री किरण आंजना के मार्गदर्शन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जीरन में 14 मई 2025 को प्रात: 10 बजे से दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाने के लिए शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर में दिव्यांग हितग्राही आवश्यक दस्तावेज जैसे दिव्यांग प्रमाण पत्र यदि पहले से बना हो ओर 5 वर्ष की अवधि समाप्त हो गई हो, तो आधार कार्ड, समग्र आईडी, सभी दस्तावेजों की दो-दो फोटो कॉपी एवं दो पासपोर्ट साईज फोटो के साथ दिव्यांग हितग्राही को उपस्थित होकर शिविर का लाभ उठा सकते हैं।

स्वामी हरिदासराम महाराज त्याग, तपस्या की प्रतिमूर्ति थे-संत शंभूलाल

मंदसौर, 09 मई गुरु एक्सप्रेस। श्री प्रेमप्रकाश पंथ की चौथी (चतुर्थ) पातशाही मर्या मूर्ति सद्गुरू स्वामी हरिदासराम महाराज के 96वें जन्मोत्सव के पावन अवसर पर श्री प्रेम प्रकाश आश्रम में 8 मई गुरुवार को मोहिनी एकादशी के दिवस संत श्री शम्भूलालजी प्रेम प्रकाशी ने पंच दिवसीय श्रीमद् भागवत गीता एवं श्री प्रेम प्रकाश ग्रंथ के पाठों की स्थापना प्रेम प्रकाश पंथ सनातन धर्म की परम्परा के अनुसार नवगृहों व तुलसीमाता की पूजा अर्चना के साथ की। इन पंच दिवसीय पाठों का भोग (समापन) स्वामी हरिदास महाराज के जन्मदिवस 12 मई, सोमवार, बुद्ध पूर्णिमा के दिन सम्पन्न होगा।

इस आशय की जानकारी श्री प्रेम प्रकाश सेवा मण्डली के अध्यक्ष पुरुषोत्तम शिवानी ने देते हुए बतलाया कि इस पावन अवसर पर संत श्री शंभूलाल ने अपने मुखारविंद से सत्संग सभा में उपस्थित संगत पर अपनी अमृतमयी वर्षा करते हुए कहा कि सद्गुरू स्वामी हरिदासजी महाराज का अवतार 1930 में अविभाजित हिंदुस्तान के सिन्ध में माता मोतीबाई पिता हीरानन्द कि यहां हुआ था। वे प्रारंभ से ही त्याग, तपस्या व वैराग्य व सादगी जीवन के पुजारी थे। आपने अपने भजन के माध्यम से स्वामीजी के जीवन पर प्रकाश डाला और कहा कि स्वामीजी त्याग, तपस्या व सादगी की प्रतिमूर्ति थे। आपने संगत को सत्संग के पूर्व स-किर्तन की महिमा को समझाते हुए कहा कि सत्संग के पूर्व स-कीर्तन में सत्संगी को अपने मुख से भगवान का नाम स्मरण करना चाहिए उससे आपके पाप कर्मों का नाश होगा। हमारे प्रेम प्रकाश पंथ की भी यही परम्परा है और आज तो मोहिनी एकादशी व्रत है, आज के दिन आपको स्वामी हरिदासजी महाराज के जन्मोत्सव के कारण स-कीर्तन का अवसर प्राप्त हुआ है जो कि श्रेष्ठ है। सत्संग का सारांश ही संकीर्तन है। मोहिनी एकादशी व्रत महात्म्य को समझाते हुए कहा कि प्राणी को सदैव संतों का संग करना चाहिए। संतों की संगत से मनुष्य को न केवल सद्बुद्धि प्राप्त होती है। अपितु उसके जीवन का उद्धार हो जाता है। एकादशी के दिन प्राणी को फलहार के साथ-साथ रात्रि में भगवान की आराधना से अत्यधिक फल की प्राप्ति होती है। जल अपना नहीं सरवर पीते-वृक्ष कभी न फल खाते, तैसे जग कल्याण करनहित-संत जगत में है आते जल अपना नहीं - अर्थात जिस प्रकार सरवर अपना जल नहीं पीते, वृक्ष फल देते है, किन्तु कभी खाते नहीं उसी प्रकार संत महात्मा भी जनकल्याण के लिये अवतार लेते है। इंसान को अपने जीवन में आशावान होना चाहिए। यह उचित है किन्तु तृष्णा याने इच्छा, लालच नहीं रखना चाहिए। तृष्णा कभी पूर्ण नहीं होती। क्योंकि तृष्णा लोक जगत के दिखलावे के लिये की जाती है। प्रारंभ में संत श्री ने स्वामी हरिदासराम महाराज के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया। अंत में केक प्रसाद व हर्षोल्लास के साथ पल्लव पाकर समाप्ति उपरांत आभार प्रदर्शन महिला मण्डली प्रमुख पुष्पा पमनानी एवं दयाराम जैसवानी ने प्रकट किया।

मप्र पुलिस मुख्यालय ने सभी जिलों की फोर्स को किया अलर्ट

भोपाल, 09 मई गुरु एक्सप्रेस। पाकिस्तान के बीच तनाव बढने के साथ ही मध्य प्रदेश पुलिस मुख्यालय ने सभी जिलों को अलर्ट कर दिया है। किसी भी तरह की आपात स्थिति के लिए पुलिस बल को अलर्ट रहने के लिए कहा गया है। सामान्य स्थिति में पुलिसकर्मियों को छुट्टियां नहीं देने को कहा गया है और पहले से अवकाश में चल रहे पुलिसकर्मियों की छुट्टियां रद करने पर विचार किया जा रहा है।

सबसे पहले पहलगाम की घटना के बाद पुलिस मुख्यालय ने अलर्ट जारी किया था। इसके बाद तनाव बढने पर फिर अलर्ट कर दिया गया है। पुलिस मुख्यालय के अधिकारियों के बीच लगातार बैठकें चल रही हैं। आंतरिक कानून-व्यवस्था को लेकर भी पुलिस अधीक्षकों को सतर्क रहने के लिए कहा गया है। बुधवार को माकड्रिल के बाद रहीं कमियों को भी दूर किया जा रहा है। इसके लिए अनाउंसमेंट सिस्टम, इंटरनेट मीडिया पर अफवाह फैलने से रोकने जैसे कदम शामिल हैं।

उज्जैन में पुलिस ने निकाला फ्लैगमार्च- उज्जैन शहर में 150 पुलिसकर्मियों ने फ्लैगमार्च निकाला और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। उज्जैन के महाकाल ज्योतिर्लिंग और महाकाल लोक के दर्शन करने बड़ी संख्या में श्रद्धालु देशभर से यहां पहुंचते हैं। ऐसे में शहर में पुलिस हाईअलर्ट पर है।

ग्वालियर के हर वार्ड में सायरन लगाने के निर्देश- इधर मंत्री तुलसी सिलावट ने ग्वालियर के हर वार्ड में सायरन लगाने के निर्देश दिए हैं। गौरतलब है कि ग्वालियर में वायुसेना का एयरबेस है। ऐसे में यहां पर विशेष सतर्कता बरती जा रही है।

जल गंगा संवर्धन अभियान की शपथ दिलवाई

मंदसौर, 09 मई गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग म.प्र. शासन ने सामुदायिक भागीदारी को बढावा देना और लोगों को जल संसाधनों के संरक्षण में शामिल करने का लक्ष्य रखा है। मध्यप्रदेश जनअभियान परिसद द्वारा शपथ दिलाई कि मंदसौर नगर, प्रदेश और देश के पर्यावरण को सुरक्षित रखने एवं संरक्षित करने के लिए में शपथ लेता हूँ कि मैं अपने तन, मन और धन से अपना योगदान सहर्ष और स्वैच्छा से प्रदान करूँगा। मैं शपथ लेता हूं कि माँ शिवना को प्रदूषण से बचाने के लिए और उसे स्वच्छ रखने के लिए मैं अपना संपूर्ण योगदान दूँगा और मित्रों को प्रेरित करूँगा।

जल संरक्षण के इस अभियान से भूजल स्तर में सुधार आएगा। पानी की बूंद-बूंद सहेजना का काम होगा, मध्यप्रदेश सरकार जन, जल, जंगल, जमीन और वन्य प्राणियों के संरक्षण के लिए संकल्पित है। 'जल गंगा संवर्धन अभियान' जल की प्रचुर उपलब्धता और भावी पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करने में मील का पत्थर सिद्ध होगा।जल गंगा संवर्द्धन अभियान के तहत मध्यप्रदेश जनअभियान परिसद लाल बहादुर शास्त्री उत्कृष्ट विद्यालय मंदसौर में शंकर व्याख्यान माला कार्यक्रम के पश्चात उपस्थित प्रतिभागियों को जल ही जीवन है कि शपथ दिलवाई गयी। एवंउपस्थित प्रतिभागियों को जलगंगा संवर्द्धन का सन्देश रंगोली बना कर मध्यप्रदेश जनअभियान परिसद के छात्र छात्राओं द्वारा दिया गया।

औद्योगिक निवेश एवं प्रोत्साहन नीति का लाभ उठाकर जिले में नये उद्योग लगाए-चंद्रा

जिले के औद्योगिक क्षेत्रों में बिजली, पानी एवं बेहतर सड़क सुविधाएं उपलब्ध, जिले के उद्योगपतियों, नवनिवेशकों से कलेक्टर ने किया संवाद

नीमच, 09 मई गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश के साथ ही नीमच जिले के औद्योगिक क्षेत्रों में बिजली, पानी एवं बेहतर सडक के साथ ही औद्योगिक निवेश के लिए बेहतर वातावरण है। म.प्र.शासन की औद्योगिक नीति भी निवेशकों के हित में है। सरकार द्वारा नये निवेशकों को उद्योग स्थापित करने में विभिन्न प्रकार की छूट दी जा रही है। जिले में नये निवेशक उद्यमी एवं उद्योगपति निवेश के लिए आगे आए और उद्योग स्थापित करें। यह बात कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने शुक्रवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जिले के नये निवेशकों, उद्यमियों और उद्योगपतियों तथा व्यापारियों से जिला उद्योग संवर्धन

बोर्ड की बैठक सह कार्यशाला में चर्चा करते हुए कही। बैठक में महाप्रबंधक उद्योग सुश्री योगिता भटनागर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं उद्योग संघ, उद्योग भारती के पदाधिकारी, श्री अशोक चौरडिया, श्री राजेन्द्र खण्डेलवाल, श्री नवल मित्तल, श्री रमेश कदम, श्री नंदलाल पाटीदार सहित उद्योगपति, उद्यमी भी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर श्री चंद्रा ने चर्चा करते हुए कहा, कि उद्योग संघ के पदाधिकारी आपस में चर्चा कर, जिला स्तर पर उद्योगो को आने वाली कठिनाईयों और समस्याओं के संबंध में लिखित में प्रस्तुत करे, प्रशासन द्वारा उनकी समस्याओं का समुचित निराकरण किया जावेगा। उन्होने कहा, कि मोरका एवं अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में नवीन उद्योग स्थापित करने हेतु भूखण्ड उपलब्ध है। जिनका आवंटन ऑनलाईन प्रक्रिया के माध्यम से एमएसएमई विभाग द्वारा किया जा रहा है। जिले के नव उद्यमी प्रथम बार उद्योग स्थापित करने के इच्छुक नव निवेशक औद्योगिक भूखण्डे आवंटन के लिए ऑनलाईन प्रक्रिया में भाग लेकर, भूखण्ड आवंटित करवाएं। शासन, प्रशासन द्वारा उन्हें हर संभव सहयोग किया जावेगा। बैठक में जिला व्यापार उद्योग केंद्र द्वारा प्रदेश की एमएसएमई विकास नीति, एमएसएमई प्रोत्साहन योजना तथा औद्योगिक भूमि एवं प्रबंधन नियमों, औद्योगिक भूखण्ड आवंटन प्रक्रिया के बारे में विस्तार से प्रजेंटेशन के माध्यम से जानकारी दी गई।

भारतीय डाक विभाग ने विक्षिप्त/विकलांग जन हेतु विशेष आधार कैंप लगाया

मंदसौर, 09 मई गुरु एक्सप्रेस। डाकघर अधीक्षक द्वारा बताया गया कि भारतीय डाक विभाग द्वारा कलेक्टर के सहयोग से 8 मई 2025 को विक्षिप्त / विकलांग जन हेतु कौशल्या धाम निराश्रित विक्षिप्त महिला आश्रम गृह एवं पुनर्वास केंद्र, 500 क्वार्टर, रेवास देवडा रोड, मंदसौर मे विशेष आधार कैंप का आयोजन किया गया जिसमे समस्त विक्षिप्त/विकलांग जनों के नवीन आधार बनाए गए श्र इस विशेष आधार कैंप में श्रीमती देवकुंवर सोलंकी डिप्टी कलेक्टर मंदसौर एवं सुश्री अनामिका जैन संचालक निराश्रित विक्षिप्त महिला आश्रम गृह एवं पुनर्वास केंद्र उपस्थित रहे।

सभी पात्र हितग्राही 31 तक अपना ई केवाईसी अनिवार्यत: करवाएं

नीमच, 09 मई गुरु एक्सप्रेस। जिला आपूर्ति अधिकारी द्वारा बताया गया कि, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के अंतर्गत संचालित लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली व्यवस्था के सुचारू कियान्वयन एवं स्मार्ट पीडीएस व्यवस्था के सफल संचालन तथा वास्तविक पात्र हितग्राहियों की उनकी पात्रता अनुरूप खाद्यान्न सामग्री नियत समय सीमा में उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मप्र शासन खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा पात्र हितग्राहियों की शघधउ कराये जाने हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिसके अनुक्रम में 31 मई 2025 तक सभी पात्र हितग्राहियों की ईकेव्वायसी पूर्ण कराई जाना है।

eKYC का कार्य उचित मूल्य दुकान की पीओएस मशीन के माध्यम से उचित मूल्य दुकान से सम्बद्ध ग्राम पंचायत के ग्रामों, वार्डों एंव शहरी दुकान के वार्डों में कैम्पों का आयोजन किया जाकर कैम्प आयोजन हेतु गठित दल के सदस्य उचित मूल्य दुकान के विक्रेता, ग्राम पंचायत के सचिव / रोजगार सहायक उचित मूल्य दुकान के नोडल अधिकारी, शहरी वार्ड के वार्ड प्रभारी द्वारा कैम्पों में सर्वे किया जाकर शघधउ का कार्य कराया जा रहा है। शघधउ के दौरान पीओएस मशीन में 05 वर्ष से कम उम्र के बच्चे, वृद्धजन, या अन्य जिनका बायोमैट्रिक सत्यापन नहीं हो पा रहा है, ऐसे हितग्राहियों के साथ-साथ ऐसे हितग्राही जो अपनी मूल उचित मूल्य दुकान के बाहर मप्र के किसी भी अन्य स्थान में निवासरत है या जो हितग्राही अपने कार्य की व्यस्तता के कारण उचित मूल्य दुकान या कैम्पों में उपस्थित नहीं हो सकते है, ऐसे सभी हितग्राहियों की शघधउ के लिये शासन द्वारा 'मेरा ईकेवाईसी एप लॉन्च किया गया है।

उक्त एप के माध्यम से उचित मूल्य दुकान के विक्रेताओं के अतिरिक्त पात्र हितग्राही भी स्वयं अपने एंड्रोइड मोबाईल फोन के माध्यम से मेरा ईकेव्वायसी एप को डाउनलोड कर स्वयं भी एवं परिवार के सदस्यों के भी साथ ही अन्य पात्र हितग्राहियों का भी ईकेव्वायसी फेस एथेंटिकेशन के माध्यम से कर सकते है। एप के माध्यम से ईकेव्वायसी करने के लिये सर्वप्रथम एन्ड्रॉईड मोबाईल फोन में गूगल प्ले स्टोर के माध्यम से मेरा ईकेव्वायसी एप को डाउनलोड करना है, एप का संचालन करते समय मोबाईल की लोकशन चालू स्थिति में होना चाहिये। ईकेव्वायसी करते समय FACE eKYC का पेज खुलेगा जिसमें अपना राज्य मप्र का चयन करना है, इसके उपरांत जिस हितग्राही की ईकेव्वायसी किया जाना है, उसका 12 अंक का आधार नम्बर दर्ज करना होगा। आधार नम्बर दर्ज करने के उपरांत आधार OTP के ऑप्शन को क्लिक करने पर आधार नम्बर के साथ पंजीकृत मोबाईल नम्बर पर 06 अंक की OTP प्राप्त होगी। उक्त जव्ज्ञ अंक को एप में दर्ज करना होगा, इसके पश्चात एप में जनरेट केप्चा कोड दर्ज करना होगा। उक्त प्रविष्टियों को सम्मिट करने के उपरान्त हितग्राही का विवरण खुलेगा जिसमें नाम, राज्य, समग्र आईडी, जिला एवं आधार नम्बर के अतिम 04 अंक प्रदर्शित होंगे उक्त पेज में FACE eKYC ऑप्शन का चयन करने पर हितग्राही की ईकेव्वायसी करने संबंधित सहमति घोषणा दिखाई देगी जिसको स्वीकृत (एक्सेप्ट) के विकल्प पर क्लिक करने पर मोबाईल फोन का फ्रंट कैमरा (सेल्फी मोड) चालू होगा जिन हितग्राही की ईकेव्वायसी किया जाना है, उसका चेहरा मोबाईल कैमरे के सामने करना होगा। मोबाईल फोन कैमरे में चेहरा जिस गोले के अन्दर दिखाई देगा उसका रंग हरा हो जाए इसके बाद हितग्राही को अपनी पलक को कैमरे के सामने 02 बार झपकाना होगा। ईकेव्वायसी संबंधित उपरोक्त सभी प्रकार की कार्यवाही करने पर ईकेव्वायसी सफल होने के उपरान्त मोबाईल फोन की स्कीन में ईकेव्वायसी सफल का संदेश दिखाई देगा अर्थात इसका मतलब यह है, कि संबंधित हितग्राही की ईकेव्वायसी सफल हो चुकी है। eKYC सफल होने के संदेश का स्कीन शॉट अनिवार्य रूप से लिया जाए, जिससे की यह प्रमाण संबंधित हितग्राही के पास रहे की उनकी शघधउ सफलतापूर्वक पूर्ण हो चुकी है। जिला प्रशासन द्वारा सभी पात्र हितग्राहियों से अपील की जाती है कि उक्त एप के माध्यम से अविलंब 31 मई 2025 के पूर्व अपनी ईकेव्वायसी सत्यापन का कार्य पूर्ण करने का कष्ट करें, जिससे की खाद्यान्न सामग्री की पात्रता निकट भविष्य में भी निर्वाद्ध संचालित रहे।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	22	2060	2210
उडद	14	5999	6600
सोयाबीन	3945	3600	4451
गैहु	68	2310	2760
चना	372	5200	5482
मसुर	69	5870	6346
धनिया	201	4900	7050
लहसुन	17000	3200	9500
मैथी	784	3701	5658
मुंगफली	419	4250	5382
अलसी	1773	6601	7460
सरसो	309	5736	5996
तारामीरा	1	5280	5280
इसबगोल	62	9000	11671
प्याज	2046	300	1401
कलोंजी	25	13012	20802
तुलसी बीज	7	13981	15181
डॉलर	14	5701	8200
तिल्ली	0000	0000	0000
जौ	0000	0000	0000
मटरसुखी	5	3552	3601
असालीया	30	6859	7020
चियाबीज	157	10000	14899

एक जिला-एक औषधी उत्पाद अश्वगंधा के तहत विकासखंड स्तरीय प्रशिक्षण संपन्न

नीमच, 09 मई गुरु एक्सप्रेस। जिला आयुष अधिकारी नीमच डॉ.आशीष बोरना ने बताया, कि एक जिला एक औषधि उत्पाद अश्वगंधा के प्रचार प्रसार ,अभिसरण की विभागीय योजना एवं औषधि पौधों की कृषि संग्रहण, भंडारण, प्राथमिक संस्करण विपणन आदि विषयों पर आधारित एक दिवसीय ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम गुरुवार को जनपद पंचायत नीमच, ग्राम पंचायत पडदा (मनासा ब्लॉक) एवं ग्राम पंचायत धामनिया (ब्लॉक जावद) में आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में स्व सहायता समूह की महिलाए उपस्थित थी। प्रशिक्षण मध्य प्रदेश डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, उद्यानिकी विभाग नीमच एवं आयुष विभाग नीमच के संयुक्त समन्वय से संपन्न हुआ। जिसमें उद्यानिकी विभाग ब्लॉक नीमच से मास्टर ट्रेनर श्री संदीप कुमार प्रजापत, श्री सुनील पाटीदार, श्रीमती नीतू जाट, श्री जितेन्द्र खमोरिया, श्री सुरेश बुंदेला, श्रीमती भावना माली, श्रीमती संगीता ईरवाल, श्री कमलेश चौहान मास्टर ट्रेनर के साथ, आयुष विभाग नीमच से डॉ.नरसिंह चौहान, डॉ.पंकज कुमार पाटीदार, डॉ.बादर सिंह वास्केल, डॉ.विवेक शर्मा, डॉ.ओमप्रकाश पाटीदार, श्री विनीत सोनी एवं मध्य प्रदेश डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से श्री राजेंद्र कुमार चौहान, श्री कमल भूरिया ने उक्त प्रशिक्षण प्रदान किया।

गृह मंत्रालय का बड़ा आदेश...

राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों को आपात कालीन शक्तियां लागू करने के निर्देश

नईदिल्ली, 09 मई। भारत की पश्चिमी सीमा पर बढ़ते तनाव और पाकिस्तानी हमलों की आशंका के बीच, गृह मंत्रालय (एमएचए) ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सिविल डिफेंस एक्ट, 1968 के तहत आपातकालीन उपायों को लागू करने का आदेश जारी किया है। यह कदम मौजूदा सुरक्षा चुनौतियों और सीमा पर हाल के हमलों के मद्देनजर उठाया गया है, जिसमें पाकिस्तानी सेना द्वारा जम्मू और जेसलमेर क्षेत्रों में गुरुवार रात किए गए ड्रोन और मिसाइल हमले शामिल हैं।

क्या है आदेश में?–गृह मंत्रालय ने अपने पत्र, राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में सिविल डिफेंस उपायों का सुदृढीकरण है, में सिविल डिफेंस नियम, 1968 की धारा 11 का हवाला दिया। इस धारा के तहत राज्य सरकारों को लोगों और संपत्ति की सुरक्षा, महत्वपूर्ण सेवाओं के निर्बाध संचालन, और शत्रु हमले के दौरान आवश्यक कदम उठाने की शक्ति प्रदान की गई है। पत्र में स्पष्ट किया गया कि स्थानीय प्राधिकरणों के धन का उपयोग ऐसी आपातकालीन व्यवस्थाओं के लिए किया जा सकता है, और इन उपायों को अन्य सभी वित्तीय दायित्वों पर प्राथमिकता दी जाएगी। मंत्रालय ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से अनुरोध किया है कि वे धारा 11 को लागू करें और अपने-अपने सिविल डिफेंस निदेशकों को आपातकालीन खरीद शक्तियां प्रदान करें। यह कदम त्वरित और प्रभावी ढंग से सुरक्षात्मक उपायों को लागू करने के लिए उठाया गया है। पत्र में कहा गया, वर्तमान शत्रु हमले के परिदृश्य में, मैं आपका ध्यान सिविल डिफेंस नियम, 1968 की धारा 11 की ओर आकर्षित करना चाहूंगा, जो राज्य सरकारों को व्यक्तियों और संपत्ति की सुरक्षा, महत्वपूर्ण सेवाओं के रखरखाव, और शत्रु हमले से होने वाले नुकसान को रोकने के लिए आवश्यक उपाय करने का अधिकार देती है।

तत्काल प्रभाव से सिविल डिफेंस उपायों को मजबूत करें–गृह मंत्रालय के अधिकारियों ने जोर देकर कहा कि राज्य और स्थानीय स्तर पर समयबद्ध कार्रवाई और तैयारियां किसी भी संभावित नुकसान को कम करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। इस आदेश के तहत, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से यह अपेक्षा की जा रही है कि वे तत्काल प्रभाव से सिविल डिफेंस उपायों को मजबूत करें और आपातकालीन संसाधनों का उपयोग सुनिश्चित करें। स्थिति अभी भी अस्थिर बनी हुई है, और भारत सरकार सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के लिए सक्रिय कदम उठा रही है। इस बीच, गृह मंत्रालय का यह आदेश देश भर में सतर्कता और तैयारियों को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

भारत सरकार ने रक्षा अभियानों की लाइव कवरेज पर लगाई रोक, मंत्रालय ने जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली, 09 मई। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने शुक्रवार को सभी मीडिया चैनलों को रक्षा अभियानों की लाइव कवरेज को लेकर एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने रक्षा अभियानों और सुरक्षा बलों की गतिविधियों की लाइव कवरेज से बचने की हिदायत दी है।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने आदेश में कहा है, सभी मीडिया चैनलों को रक्षा अभियानों और सुरक्षा बलों की आवाजाही के लाइव कवरेज को दिखाने से परहेज करने की सलाह दी जाती है। राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में सभी मीडिया प्लेटफॉर्म, समाचार एजेंसियों और सोशल मीडिया यूजर्स से अनुरोध है कि वे रक्षा और अन्य सुरक्षा संबंधी अभियानों की रिपोर्टिंग करते समय अत्यंत जिम्मेदारी बरतें और मौजूदा कानूनों व नियमों का सख्ती से पालन करें।

उन्होंने आगे बताया, विशेष रूप से रक्षा अभियानों या सुरक्षा बलों की गतिविधियों से संबंधित रीयल-टाइम कवरेज, विजुअल का प्रसार या सूत्र आधारित जानकारी की रिपोर्टिंग नहीं की जानी चाहिए। संवेदनशील जानकारी का समयपूर्व खुलासा अनजाने में शत्रु तत्वों की मदद कर सकता है और अभियान की प्रभावशीलता तथा कर्मियों की सुरक्षा को खतरे में डाल सकता है। पिछली घटनाओं ने जिम्मेदार रिपोर्टिंग के महत्व को रेखांकित किया है। कारगिल युद्ध, मुंबई आतंकी हमले (26/11) और कंधार अपहरण जैसे मामलों में अनियंत्रित कवरेज से राष्ट्रीय हितों पर प्रभाव पड़ा था। मीडिया, डिजिटल प्लेटफॉर्म और व्यक्ति राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कानूनी दायित्वों के अलावा, यह हमारा साझा नैतिक उत्तरदायित्व है कि हमारे सामूहिक कार्य चल रहे अभियानों या हमारी सेनाओं की सुरक्षा को खतरे में न डालें। इस आदेश में बताया गया कि सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने पहले ही सभी टीवी चैनलों को केबल टेलीविजन नेटवर्क (संशोधन) नियम, 2021 के नियम 6(1)(पी) का पालन करने के लिए परामर्श जारी किया है। नियम 6(1)(पी) में कहा गया है कि केबल सेवा में कोई भी कार्यक्रम प्रसारित नहीं किया जाना चाहिए, जिसमें सुरक्षा बलों द्वारा आतंकवाद विरोधी अभियान की लाइव कवरेज हो, ऐसी मीडिया कवरेज केवल उपयुक्त सरकार द्वारा नामित अधिकारी की ओर से समय-समय पर दी गई जानकारी तक सीमित होगी, जब तक कि वह अभियान समाप्त न हो जाए। उन्होंने बताया, ऐसा प्रसारण केबल टेलीविजन नेटवर्क (संशोधन) नियम, 2021 का उल्लंघन है और इसके तहत कार्रवाई की जा सकती है। इसलिए, सभी टीवी चैनलों को सलाह दी जाती है कि वे राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में आतंकवाद विरोधी अभियानों और सुरक्षा बलों की गतिविधियों की लाइव कवरेज प्रसारित न करें। सभी हितधारकों से अनुरोध है कि वे कवरेज में सतर्कता, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी बरतते रहें और राष्ट्र की सेवा में उच्चतम मानकों का पालन करें। यह आदेश मंत्रालय के सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन के साथ जारी किया गया है। रक्षा मंत्रालय ने भी अपने एक्स अकाउंट पर इस आदेश को शेयर करते हुए अपील की है। उन्होंने एक्स पर लिखा, सभी मीडिया चैनलों, डिजिटल प्लेटफॉर्मों और व्यक्तियों से अनुरोध है कि वे रक्षा अभियानों और सुरक्षा बलों की गतिविधियों की लाइव कवरेज या रीयल-टाइम रिपोर्टिंग से बचें। ऐसी संवेदनशील या स्रोत-आधारित जानकारी का खुलासा करने से अभियान खतरे में पड़ सकता है और लोगों की जान को जोखिम हो सकता है।

सरकारी शिक्षकों का होगा ट्रांसफर, नए जिलो में जाना होगा

भोपाल, 09 मई गुरु एक्सप्रेस। शिक्षकों के लिए बड़ी खबर सामने आई है। कक्षा 1 से 8 तक स्कूलों में पदस्थ शिक्षकों के ब्लॉक और जिलों में बदलाव होगा। इसकी प्रक्रिया शुरू हो गई है। राज्य शिक्षा केन्द्र ने इसके संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। आवेदन करने हेतु 16 मई आखिरी तारीख होगी। राज्य शिक्षा केन्द्र ने पहली से आठवीं तक के शिक्षकों के लिए ब्लॉक और जिला स्तर पर स्थानांतरण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। हर ब्लॉक और जिले में कर्मचारियों को ऑनलाइन आवेदन करना होगा। यह आवेदन खाली पदों के आधार पर होगा। खाली स्कूलों में यह पद पोर्टल पर शो किए जा रहे हैं। राज्य शिक्षा केन्द्र संचालक हरजिंदर सिंह ने इसके संबंध में निर्देश जारी किए हैं।

गर्मियों की छुट्टियों से पहले होना है निपटारा–स्कूलों में यह बदलाव गर्मियों की छुट्टियां खत्म होने से पहले कर दिया जाएगा। बच्चे 16 जून को जब कक्षा में पहुंचेंगे तो हो सकता है अन्य शिक्षक मिले। अधिकारियों के मुताबिक पढ़ाई का समय बर्बाद न हो इसे देखते हुए अभी प्रक्रिया निपटाई जा रही है।

आपात स्थिति में आपदा प्रबंधन के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करें-श्री चंद्रा

सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी रखी जाए, कलेक्टर एवं एसपी ने की आपदा प्रबंधन तैयारियों की विस्तृत समीक्षा

नीमच, 09 मई गुरु एक्सप्रेस। जिले में किसी भी प्रकार की आपात स्थिति में आपदा प्रबंधन के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित कर लिए जाए। सभी विभाग आपदा प्रबंधन के नजरिए से आवश्यक संसाधन, साधन, उपकरण, मशीनरी आदि को सूचीबद्ध कर, उनकी आवश्यकता पड़ने पर तत्कातल उपलब्धता सुनिश्चित हो। ऐसी व्यवस्थाएं कर लें। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में शुक्रवार को जिले में पुलिस, कार्यपालिक मजिस्ट्रेटो, राजस्व अधिकारियों और जिला अधिकारियों की संयुक्त बैठक में जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था संबंधी बैठक में सभी अधिकारियों को दिए गए। बैठक में कलेक्टर ने आपदा प्रबंधन का जिला स्तरीय ग्रुप बनाने के निर्देश भी दिए। उन्होने सभी अस्पतालों में आवश्यक दवाईयों और स्टॉप की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होने आपात स्थिति में अस्पंतालों और अन्य अत्यावश्यक सेवाओं वाले कार्यालयों में बिजली की वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने नगरीय निकायों को शहरों में पब्लिक उनाउंस सिस्टम की व्यवस्था करने तथा नीमच में एयर सायरन स्थापित करने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर ने जिले के संवेदनशील क्षेत्रों में सूचना तंत्र को विकसित करने के निर्देश भी कार्यपालिक मजिस्ट्रेटो को दिए। उन्होने आपदा प्रबंधन साधनों, उपकरणों की चेकलिस्ट तैयार कर, उनकी आपदा की स्थिति में तत्काल उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री अंकित जायसवाल ने आपदा प्रबंधन के लिए आवश्यक मानव संसाधन की उपलब्धता की पूर्व तैयारियां करने, शस्त्र लायसेंसियों और शस्त्रं दुकानों का सत्यापन, विस्फोटक भंडार ग्रहों का सत्यापन कर, उन्हें बगैर सूचना के विस्फोटक सामग्री का किसी को भी विक्रय नहीं करने के लिए पाबंद करने, पेट्रोल पम्पों से खुले बोतलों में पेट्रोल का विक्रय नहीं करने के लिए पाबंद करने, पेट्रोल पम्पों, बैंक एटीएम आदि पर सुरक्षा गार्ड, फायर सेफ्टी के संसाधनों को सूचीबद्ध कर आपदा की स्थिति में उनकी उपलब्धता सुनिश्चित करने, कम्यूनिकेशन प्लान बनाने, होटल, लॉज, धर्मशाला, मेरिज गार्डन पर संदिग्ध व्यक्तियों का सत्यापन करवाने के संबंध में विस्तार से निर्देश दिए। उन्होने सोशल मीडिया के लिए पुलिस विभाग द्वारा जारी एडवाईजरी का पालन करने की सभी से अपील भी की और अधिकारियों से सोशल मीडिया पर कडी निगरानी रखने और आपत्तिजनक सामग्री प्रसारित होना पाये जाने पर वरिष्ठि अधिकारियों को सूचित करने के निर्देश भी संबंधितों को दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड़, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री नवल सिह सिसोदिया, सभी एसडीएम, एसडीओपी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, थाना प्रभारी एवं अन्य जिला अधिकारी उपस्थित थे।

ग्रीष्मकालीन फुटबॉल प्रशिक्षण शिविर आज से

मंदसौर, 09 मई गुरु एक्सप्रेस। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जिला फुटबॉल संघ, मंदसौर और खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वाधान में ग्रीष्मकालीन फुटबॉल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन होने जा रहा है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग और सभी खेल संस्थाओं की बैठक में विभाग द्वारा सबको 10 मई से 10 जून तक ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर लगाने हेतु निर्देशित किया गया था। इसलिए जिला फुटबॉल संघ, मंदसौर की बैठक में भी यह निर्णय लिया गया कि फुटबॉल का ग्रीष्मकालीन शिविर दिनांक 10 मई से 10 जून तक लगाया जाएगा। शिविर में बालक और बालिका दोनों प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे। यह शिविर नूतन फुटबॉल स्टेडियम में शाम 5:00 से 7:00 बजे तक आयोजित किया जाएगा, जिसके लिए खिलाड़ी और उनके अभिभावक शाम को नूतन फुटबॉल ग्राउंड में संपर्क कर सकते है। शिविर में फुटबॉल प्रशिक्षण अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा प्रदान किया जाएगा। इस बार शिविर में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले बच्चों को ऑनलाइन लिंक द्वारा अपना रजिस्ट्रेशन करवाना पड़ेगा। शिविर के पश्चात रजिस्टर्ड खिलाड़ियों को खेल एवं युवा कल्याण विभाग के द्वारा सर्टिफिकेट प्रदान किया जाएगा।

आज लगेगी नेशनल लोक अदालत

मंदसौर, 09 मई गुरु एक्सप्रेस। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता चावला मुख्य नगर पालिका अधिकारी से सुधीर कुमार सिंह सभापति श्रीमती कौशल्या बंधवार व द्वारा प्रेस नोट में बताया गया कि शासन निर्देशानुसार राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन दिनांक 10 मई 2025 शनिवार को किया जा रहा है जिसके तहत नगर पालिका कार्यालय मंदसौर में शिविर का आयोजन कर संपत्तिकर समेकित कर जलकर एवं उपभोक्ता प्रभार की अधिभार राशि में पेनल्टी में नियमानुसार छूट प्रदान की जावेगी। अत: ऐसे करदाता जिनके द्वारा पूर्व में किसी लोग अदालत में छुट का लाभ नहीं लिया है वह नगर पालिका में आकर उक्त छुट का लाभ लेवे जिन करदाताओं की संपत्ति की आईडी नहीं बनी है वह लोक अदालत के पूर्ण स्वामित्व संबंधी दस्तावेज आधार कार्ड बिजली का बिल लेकर नगर पालिका संपत्ति कर शाखा में अपनी आईडी बनवा लेवे एवं अपनी आईडी को अपडेट करवा लेवे तथा जलकर उपभोक्ता भी लोक अदालत के पूर्व नगरपालिका में उपस्थित होकर अपने नल कनेक्शन की बकाया जलकर राशि की जानकारी प्राप्त कर लेवे ताकि लोग अदालत के दिन उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो।

पुलिस ने किया शहर का निरीक्षण

मंदसौर, 09 मई गुरु एक्सप्रेस। भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के बाद पुलिस मुख्यालय से प्रदेश की हर जिले को सुरक्षा को लेकर विशेष चेकिंग अभियान और सतर्क रहने की निर्देश जारी किए गए हैं। इसी को लेकर पुलिस कप्तान अभिषेक आनंद ने जिले के सभी थाना प्रभारी को भी निर्देशित किया। इसी कड़ी में शहर कोतवाली पुलिस ने बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, बड़े अस्पताल, राजाराम फैक्ट्री सहित अन्य जगह जाकर निरीक्षण किया। फैक्ट्री में कर्मचारियों की संख्या के अलावा उनकी शिफ्ट सहित जानकारियां ली गई। फैक्ट्री और बड़े अस्पताल के अलावा अधिकारियों से मोबाइल नंबर भी सांझा किए गए। सभी जगह पर सीसीटीवी कैमरे खंगाले गए। सुरक्षा गार्ड को लेकर भी सभी जगह पर जानकारी प्राप्त की गई। रेलवे स्टेशन पर ऑटो संचालकों की बैठक की गई, जिसमें निर्देशित किया गया कि संदिग्ध सवारी का आभास होने पर पुलिस को सूचना दी जाए। कोतवाली पुलिस ने नेहरू बस स्टैंड और रोडवेज बस स्टैंड पर डॉग स्क्वॉड के साथ सर्चिंग भी की। पुलिस ने मोबाइल सीम विक्रेता कंपनियों के कर्मचारियों की बैठक ली। बैठक में आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

ग्रीष्मकालीन मूंग में खरपतवार नाशकों के उपयोग को करें हतोत्साहित

मंदसौर, 09 मई गुरु एक्सप्रेस। हरित क्रांति से हमारे देश ने खाद्यान्न उत्पादन में आत्म-निर्भरता हासिल कर ली है। आज मध्यप्रदेश देश की खाद्य सुरक्षा को सशक्त करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, अनाज के साथ-साथ दलहन के शीर्ष तीन उत्पादक राज्यों में मध्यप्रदेश एक है। यहाँ के किसान न केवल अनाज, तिलहन और दलहन का उन्नत उत्पादन करते हैं। माइको इरिगेशन, सुनिश्चित आवश्यक बिजली प्रदाय और सुलभ ऋण तक बेहतर पहुंच के कारण उच्च मूल्य वाली उद्यानिकी फसलों की खेती से किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। हम समय के साथ नवीन समस्याओं का भी उदय देख रहे हैं, जिनका समाधान किया जाना भी आवश्यक है।

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर एवं राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के ग्वालियर वाईस चांसलर रहे प्रो. (डॉ.) विजय सिंह तोमर का कहना है कि किसान वर्तमान में ग्रीष्मकालीन मूंग की खेती बड़े स्तर पर कर रहे हैं। जो 10 साल पहले तक, बड़े पैमाने पर खरीफ में की जाती थी और यह पर्यावरण के लिए अनुकूल थी। इसकी खेती वर्षा आधारित परिस्थितियों में की जाती थी।मूंग के पौधों की जड़ों में नाइट्रोजन फिक्सिंग बैक्टीरिया की मौजूदगी होने से यह फसल मिट्टी की उर्वरता को भी बढ़ाती है। आज मूंग की खेती का क्षेत्रफल तीन गुना से भी अधिक बढ़ गया है, लेकिन यह फसल गर्मियों में उगाई जाने लगी है, इसलिए इससे भू-जल स्तर का अत्यधिक दोहन लगातार हो रहा है। किसान मूंग की बोनी जल्द करने के लिए फसलों के अवशेषों को जलाने पर जोर देते हैं, जिसके दुष्परिणाम सामने आते हैं। इसके अलावा गर्मी के मौसम में मूंग की अतिरिक्त सिंचाई से बिजली की खपत में भी वृद्धि होती है। राज्य सरकार ने नरवाई जलाने पर प्रतिबंध लगाया है। किसार्नी को नरवाई के सही उपयोग के लिये प्रशिक्षित किया जायेगा।

किसानों द्वारा ग्रीष्मकालीन मूंग को जल्दी सुखाने के लिए खरपतवार नाशक पैराक्वेट एवं ग्लाइफोसेट का उपयोग किया जा रहा है, इससे फसल जल्दी पक जाती है। इसका दुष्प्रभाव वातावरण के साथ ही उत्पादित मूंग का सेवन करने वाले आमजन पर भी होता है। इससे विभिन्न प्रकार की बीमारियों के बढ़ने की संभावना होती है। लगातार खरपतवार नाशकों का उपयोग मिट्टी में उपयोगी सूक्ष्म जीवों को नष्टकर देता है, जिससे मिट्टी की प्राकृतिक उर्वरता घटती है. साथ ही ग्रीष्मकालीन मूंग में कम से कम 3-4 बार सिंचाई करना पड़ती है। इससे भूमि का जल स्तर निरंतर नीचे जा रहा है। किसानों को खेती के लिए अधिक टिकाऊऔर पर्यावरण अनुकूल पद्धतियों को अपनाने की आवश्यकता के बारे में जागरूक किया जा रहा है। किसानों को प्रोत्साहित किया जा रहा है कि ग्रीष्मकालीन मूंग जो प्राकृतिक रूप से पकता है, उसमें कीटनाशक एवं खरपतवार नाशक का उपयोग न के बराबर किया जाये। डॉ. तोमर ने कहा कि आज यदि डॉ. स्वामीनाथन जीवित होते तो वे इस बात से सहमत होते कि हरित क्रांति ने देश को बहुत कुछ दिया। आज खेती में रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों और अन्य पौध संरक्षण रसायनों के उपयोग की होड़ लगी हुई है। इससे मृदा जीव को नुकसान और जल निकाय स्त्रोत ने प्रदूषण की संभावना बढ़ गई है। इसी प्रकार पौध संरक्षण रसायनों के अनियंत्रित उपयोग के परिणामस्वरूप हमारे द्वारा ग्रहण किये जाने वाले भोजन में रासायनिक अवशेषों की मात्रा बहुत अधिक हो जाती है। इसके परिणाम स्वरूप बीमारियों और नवीन स्वास्थ्य विकारों के मामलों में वृद्धि हुई है।

कर्नल सोफिया बोली-पाकिस्तान नागरिकों को ढाल बना रहा

400 तुर्किये ड्रोन दागे; अपने एयरस्पेस में यात्री विमान उड़ने दिए, ताकि भारत जवाबी हमला न करे

नईदिल्ली, 09 मई। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार शाम 5.30 बजे पाकिस्तान के साथ तनाव पर लगातार तीसरे दिन प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें विदेश सचिव विक्रम मिसरी के साथ कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह मौजूद रहीं। इससे पहले 7 और 8 मई को भी सरकार की तरफ से ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी दी गई थी।

8-9 मई की मध्य रात्रि को पाकिस्तानी सेना ने सैन्य बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने के इरादे से कई बार हमला किया। अंतरराष्ट्रीय सीमा पर 36 स्थानों पर घुसपैठ का प्रयास किया गया। करीब 300-400 ड्रोन का इस्तेमाल किया। इनका मकसद खुफिया और वायु रक्षा प्रणालियों की जानकारी लेना था। शुरुआती जांच में यह सामने आया कि तुर्किये के ड्रोन थे। इनकी जांच की जा रही है। भारतीय सेनाओं ने इन्हें नष्टकर दिया। एक यूएवी भी मूवमेंट कर रही थी, जिसे निष्क्रिय कर दिया गया। पाकिस्तान ने LoC पर भारी फायरिंग की, इसमें कुछ जवान घायल हुए। 7 मई 2025 को रात साढ़े आठ बजे मिसाइल और ड्रोन हमला किया और उस दौरान अपना एयर स्पेस बंद नहीं किया। नागरिकों का इस्तेमाल ढाल के लिए किया। पंजाब सेक्टर में हाई एयर डिफेंस अलर्ट के दौरान हमारा एयरस्पेस नागरिक उड़ानों के लिए बंद है, लेकिन पाकिस्तान के इलाके में नागरिक उड़ान चल रही थी। पाकिस्तान का नागरिक विमान दमम से उड़ान भरकर लाहौर तक गया। भारतीय वायुसेना ने अपनी प्रतिक्रिया में संयम दिखाया और अंतरराष्ट्रीय नागरिक विमान सेवा की सुरक्षा तय की। पाकिस्तान की यूएवी ने भठिंडा आर्मी स्टेशन टारगेट करने की कोशिश की थी, जिसे गिरा दिया गया था।

विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा–विक्रम मिसरी ने बताया कि कल रात की पाकिस्तानी सेना की कायरतापूर्ण गतिविधियों से आपको अवगत करा दिया गया है। ये उकसाने वाली कार्रवाई थी, उन्होंने भारतीय शहरों और सिविलियन इन्फ्रास्ट्रक्चर और कुछ मिलिट्री ठिकाने को टारगेट किया। भारतीय सैन्य इकाइयों ने इनका उत्तर दिया। पाकिस्तान दावा करता है कि उन्होंने किसी धार्मिक स्थान पर हमला नहीं किया। उन्होंने पुंछ में गुरुद्वारे पर हमला किया। इन हमलों की जिम्मेदारी लेने की बजाय, पाकिस्तान कह रहा है कि भारतीय आर्मी ऐसा कर रही है। पाकिस्तान अपनी हरकतों और आक्रमणों को मानने से इनकार कर रहा है और दुनिया को भ्रमित करने की कोशिश कर रहा है। पाकिस्तान कह रहा है कि हमने ननकाना साहिब पर ड्रोन हमला किया है। पाकिस्तान कोशिश कर रहा है कि इस मामले को धार्मिक रंग दिया जा सके। पहलगाम हमले में ही यही दिखाई दिया है। गुरुद्वारे पर हुई हमले में कुछ सिख मेंबर्स की मौत भी हुई है। पाकिस्तान कह रहा है कि हम अपने ही शहरों पर हमला कर रहे हैं, यह सिर्फ कल्पना है। मिसरी ने कहा- पिछली रात पाकिस्तान की ओर से उकसाने वाले और तनाव बढ़ाने वाले एक्शन में भारतीय शहरों, नागरिक इमारतों और कुछ सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। भारतीय सशस्त्र सेनाओं ने इसका माकूल जवाब दिया है, जिम्मेदाराना रुख अपनाते हुए जवाब दिया है। इन हमलों को पाकिस्तान नकार रहा है, जबकि पाकिस्तान सरकार की मशीनरी का इस्तेमाल किया गया है। यह पाकिस्तानी की दोहरी मानसिकता को दिखाता है।

पाकिस्तान दावा कर रहा है कि वो किसी धार्मिक संस्थान या इमारत पर हमला नहीं कर रहा है। आपको याद होगा मैंने आपको कल तस्वीर दिखाई थी। इसमें पुंछ में एक गुरुद्वारे पर हमला किया गया था। इनकी जिम्मेदारी उठाने की बजाय पाकिस्तान यह कह रहा है कि भारतीय फोर्सेस और एयरफोर्स अपने ही शहरों पर हमला कर रही हैं और पाकिस्तान पर इल्जाम लगा रही है। यह कुछ और नहीं, पाकिस्तान की कोशिश है कि इन हमलों की जिम्मेदारी ना ले। यह सच है कि पाकिस्तान दुनिया को भरमाने की कोशिश कर रहा है, उसकी कोशिश सफल नहीं होगी। पुंछ के गुरुद्वारे पर पाकिस्तान ने हमला किया और सिख समुदाय के कुछ लोग, जिनमें गुरुद्वारे का रागी भी शामिल है, उनकी जान चली गई। टीवी पर आप इस हमले के चित्र देख सकते हैं।ये बात कि हम अपने ही शहरों पर हमला कर रहे हैं, यह सिर्फ पाकिस्तान की कल्पना है। वे ऐसा कर सकते हैं, क्योंकि उनका इतिहास ही यही है। पाकिस्तान कह रहा है कि भारत ननकाना साहिब गुरुद्वारे पर ड्रोन अटैक कर रहा है। यह सिर्फ पाकिस्तान के प्रोपेगैंडा फैलाने वाले कैंपेन का हिस्सा है। यह कैंपेन पाकिस्तान ने पहलगाम अटैक के वक्त से ही शुरू किया है। वह शुरू से ही इन हालात को धार्मिक रंग देने की कोशिश कर रहा है। हमें आश्चर्य नहीं है, लेकिन भारत की एकता खुद में ही पाकिस्तान के लिए चुनौती है।

जम्मू-कश्मीर से राजस्थान तक 19 जगह पाकिस्तान का ड्रोन अटैक

पाकिस्तान ने लगातार दूसरे दिन शुक्रवार को भारत पर ड्रोन्स और मिसाइल से हमले किए। शुक्रवार को शाम होते ही जम्मू-कश्मीर के 6 सेक्टर उरी, तंगधार, केरन, मेंढर, नौगाम, आरएसपुरा, अरनिया और पुंछ में फायरिंग शुरू कर दी। रात 8:30 बजे के बाद पाकिस्तान ने 4 राज्य गुजरात, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान और पंजाब के 20 शहरों पर ड्रोन अटैक किए गए। श्रीनगर एयरपोर्ट पर भी हमला किया गया। अवंतीपोरा एयरफोर्स स्टेशन पर ड्रोन अटैक को नाकाम किया गया। यहां बड़ा धमाका सुना गया। उधर, चंडीगढ़ और अंबाला में हवाई हमले की चेतावनी दी गई है।

न्यायालय कलेक्टर जिला मंदसौर (म.प्र.)

प्रकरण क्रमांक 02/अ-82/2023-24
भू अर्जन अधिकारी
सीतामऊ, जिला-मंदसौर (म.प्र.)

// प्रारम्भिक सूचना //

अंतर्गत कण्डिका 11(1) आपसी सहमति से भूमि क्रय नीति

कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, मंदसौर द्वारा खेताखेड़ा तालाब हेतु प्रस्तावित ग्राम बोरखेड़ी जागीर एवं खेताखेड़ा तहसील सीतामऊ, जिला मंदसौर के कृषकों की भूमि मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग के ज्ञापन क्रमांक अ-82/23-24 अनुसार, आपसी सहमति से भूमि क्रय नीति से क्रय करने के निर्देश प्रसारित किए गये हैं। उक्त कृषकों से उनकी भूमि क्रय करने हेतु आपसी सहमति से क्रय नीति की कण्डिका 09 अनुसार प्रारुप क में कृषकों को प्रस्ताव भेजकर प्रारुप ख में धारक की स्वीकृति प्राप्त की गई है।

तदनुरुप आपसी सहमति से भूमि क्रय नीति की कण्डिका 11(1) के अंतर्गत सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार कृषकों की भूमि जल संसाधन विभाग मध्यप्रदेश शासन के पक्ष में क्रय की जाने पर विचार किया जा रहा है, यदि किसी व्यक्ति को भूमि के स्वत्व के विषय में कोई आपत्ति हो तो वह इस सार्वजनिक सूचना के प्रकाशन की दिनांक से 15 दिवस की अवधि में अपनी आपत्ति भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सीतामऊ के कार्यालय में अवकाश के दिनों को छोड़कर कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकता है। क्रय की जाने वाली भूमि में स्थित कुएं, ट्यूबवेल आदि का मूल्य मध्यप्रदेश शासन, जल संसाधन विभाग के पत्र क्रमांक 971/अमुस/जसंवि/2018 दिनांक 28.02.2018 के अनुसार सिंचित मद में सम्मिलित है। नियत अवधि के पश्चात प्राप्त होने वाली आपत्तियों को न तो स्वीकार किया जावेगा और न ही उन पर किसी प्रकार का कोई विचार किया जावेगा।

आपसी सहमति से भूमि क्रय नीति अनुसार क्रय की जाने वाली भूमि का विवरण
1. ग्राम बोरखेड़ी जागीर, तहसील सीतामऊ, जिला मंदसौर (म.प्र.) कुल अर्जित क्षेत्रफल 0.710 हेक्टर
2. ग्राम खेताखेड़ा, तहसील सीतामऊ, जिला मंदसौर (म.प्र.) कुल अर्जित क्षेत्रफल 1.470 हेक्टर

क्रं.	कृषक का नाम	सर्वे नं.	कुल रकबा (हे.)	आपसी सहमति भूमि क्रय नीति से क्रय की जाने वाली भूमि का रकबा हेक्टर में			परिसम्पत्ति का विवरण
				सिंचित	असिंचित	योग	
1	2	3	6	7	8	9	10
	ग्राम-बोरखेड़ी जागीर						
1	जुवानसिंह पिता मांगूसिंह	569/1/1	0.180	0.180	0.000	0.180	
2	मनोहरसिंह पिता मांगूसिंह	555/1	0.050	0.050	0.000	0.050	
		569/1/2	0.130	0.130	0.000	0.130	
	योग		**0.180**	**0.180**	**0.000**	**0.180**	
3	जुझारसिंह पिता मांगूसिंह	553/1/1	0.180	0.180	0.000	0.180	
4	दशरथसिंह पिता मांगूसिंह	552/1	0.170	0.170	0.000	0.170	
	ग्राम-खेताखेड़ा						
1	रेशमबाई पिता पन्नालाल	80	0.800	0.600	0.000	0.600	
2	बनेसिंह लाखनसिंह पिता भारतसिंह जाति राजपूत	64/1	0.870	0.270	0.000	0.270	
3	गंगाबाई पति बहादूरसिंह जाति गुर्जर	62	0.070	0.020	0.000	0.020	
		63	0.150	0.060	0.000	0.060	
	योग		**0.220**	**0.080**	**0.000**	**0.080**	
4	नागुसिंह पिता भेरुसिंह	31/2	0.480	0.200	0.000	0.200	
5	जमनाबाई बेवा किशनसिंह, मनोहरसिंह, किशनसिंह, प्रहलादसिंह पिता किशनसिंह	31/1	0.490	0.100	0.000	0.100	
6	मनोहरसिंह पिता नागुसिंह	69	0.710	0.220	0.000	0.220	
	योग-बोरखेड़ी जागीर+खेताखेड़ा		**4.280**	**2.180**	**0.000**	**2.180**	

नोट-भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, उपखण्ड सीतामऊ एवं अनुविभागीय अधिकारी जल संसाधन उपखण्ड सुवासरा के कार्यालय में किया जा सकता है।

(अदिति गर्ग)
कलेक्टर, जिला-मंदसौर (म.प्र.)

G-12566/25 दुर्घटना से रखनी दूरी है तो हेलमेट सबसे जरूरी है।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in